@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 7 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 182 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-वियतनाम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, साथ जीतेंगे : पीएम नरेंद्र मोदी

'हम एक-दूसरे की रैपिड ग्रोथ के सहायक बनेंगे'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और वियतनाम के संबंध अब बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए

- **'यह साझेदारी अब और ऊंचे लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगी।'**

चरण में प्रवेश कर रहे हैं और दोनों देश मिलकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'हम साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे, और साथ जीतेंगे।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम के बीच बुधवार को हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, कनेक्टिविटी और रणनीतिक सहयोग को नई गति देने का संकल्प संकल्प



भी लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति तो लाम का भारत दौरा दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों और आपसी प्राथमिकता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी अब और ऊंचे लक्ष्यों की ओर अग्रसर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-वियतनाम के बीच व्यापार पिछले दशक में दोगुना होकर 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अब दोनों देशों ने इसे 2030 तक 25 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। दवाओं, कृषि, मत्स्य और पशु उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर सहमति बनी है। बहुत जल्द, वियतनाम भारत के अंगूर और अनार का और हम वियतनाम के डूरियन और पोमेलो का स्वाद लेंगे। दोनों देशों ने वित्तीय सहयोग बढ़ाने के तहत भारत के यूपीआई और वियतनाम के फास्ट पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर सहमति जताई। साथ ही एयर कनेक्टिविटी, स्टेट-टू-स्टेट और सिटी-टू- सिटी सहयोग को भी बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और विजन महासागर का एक मुख्य स्तंभ है। दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रक्षा और सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। वियतनाम के सहयोग से भारत, आसियान के साथ अपने संबंधों को भी और व्यापक बनाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने और हमारा साथ देने के लिए वियतनाम का आभार:मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुई बर्बर आतंकी हमले की निंदा करने और विषम स्थिति में भारत का साथ देने के लिए वियतनाम का आभार जताया। राष्ट्रीय राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने इन भावनाओं को अहम बताया। सुशासन, विरासत, विकास और साझा सांस्कृतिक मूल्यों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बताया। आतंकवाद के विरुद्ध भारत का साथ देने के लिए पीएम मोदी ने वियतनाम की सरकार का आभार जताते हुए कहा, 'पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के विरुद्ध हमारे संघर्ष में साथ खड़े रहने के लिए हम वियतनाम के आभारी हैं।

विज्ञान और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भारत-जापान के बीच हुए कई अहम समझौते

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में बुधवार को भारत और जापान के बीच समझौता किया गया है। इसके लिए जापान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति मंत्री ओनोडा किमी ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की।

इस बैठक में दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य और मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार किया गया। यह समझौता जापान एजेंसी फॉर मेडिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के बीच हुआ। इसके अलावा, क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने के लिए जापान के कैबिनेट ऑफिस और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के बीच लेटर ऑफ इंटेंट पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2025 में जापान यात्रा के बाद भारत-जापान विज्ञान एवं तकनीक साझेदारी एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। क्वांटम और



हेल्थ सेक्टर पर फोकस

बैठक में नेशनल क्वांटम मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, सुरक्षित संचार और हेल्थ रिसर्च जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही रिसर्च, इंडस्ट्री और स्टार्टअप्स के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। दोनों देशों ने रिसर्च सहयोग, संयुक्त परियोजनाओं, और वैज्ञानिकों के आदान-प्रदान को बढ़ाने पर सहमति जताई।

दोनों देशों की ताकत का मेल

उन्होंने कहा कि जापान के पास उन्नत तकनीक है, जबकि भारत के पास युवा और कुशल मानव संसाधन की बड़ी ताकत है। दोनों मिलकर नई तकनीकों में तेजी से नवाचार कर सकते हैं।

जापान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति मंत्री ओनोडा किमी ने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यापक इस्तेमाल की सराहना की। उन्होंने भारतीय युवाओं में नवाचार और असफलताओं से सीखने की क्षमता को भी खास बताया।

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

• Only 29 Years as an Institute • 24 Years as a Deemed to be University

THE World University Rankings 2026 Asia
1st in Eastern India
169th in Asia

THE World University Rankings 2026
5th Among All Universities in India
501+ Cohort Globally

KIIT Accomplishes QS RATED EXCELLENT & QS I-GAUGE PLATINUM INDIAN UNIVERSITY RATINGS
Only University in Eastern India with QS 5-Star & Platinum Ratings
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2026
1st in Odisha & 8th in India among pvt. universities



• Best Campus
Outstanding infrastructure & world-class facilities
• Best Placement
Excellent Opportunities & Career Outcomes
• Best Environment & Ambience
Supportive learning environment with a vibrant campus atmosphere
• Student Friendly Campus
Student-centric approach with comprehensive support services
• Parent-Friendly Institution
Transparent communication & parent engagement

ADMISSION OPEN
KIITEE 2026 PHASE - 2
APPLY NOW
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in / www.kiit.ac.in
No Examination Fee (Computer-Based Test)
Scan to Apply
Director Admissions, Admission Cell (Koel Campus), KIIT DU, Bhubaneswar, Odisha, India-751024
admission@kiit.ac.in kiitee.ac.in 8080 735 735

Key Rankings & Achievements
A++ Grade Accrediated by NAAC
nirf 2025 17th Among Indian Universities
NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION Tier 1 Re-accredited by NBA
ABET ABET (US) Accreditation
IET Accredited Programme The Institute of Engineering and Technology
ECOSOC Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
Partnership with UN VOLUNTEERS

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha. It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो। अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला गैंग का पर्दाफाश

-ग्रामीण क्षेत्र के युवा होते हैं गैंग के निशाने पर

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला बड़ा गैंग सामने आया है। इस गैंग ने ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया। ताजा मामला उमापुर गांव से सामने आया है, जहां युवती ने आठ बार शादी करने के बाद नौवीं बार उमापुर के एक युवक से शादी कर लाखों रुपये का चूना लगा दिया। उमापुर निवासी युवक की शादी के लिए कुछ एजेंटों ने मध्यस्थता की। शादी तय करने के नाम पर युवक से लाखों रुपये लिए। इसके बाद बाकायदा शादी हुई, लेकिन कुछ समय बाद दुल्हन और उन एजेंटों का असली चेहरा सामने आ गया। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिस लड़की से युवक की शादी हुई, वह पहले आठ बार शादी कर चुकी थी। इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ युवक अब परेशान हो रहा है। युवक ने मामले की शिकायत एसपी से की। युवक ने कहा कि अंधेरे में रखकर शादी कराई गई थी। जिस युवती से शादी हुई, उसकी यह नौवीं शादी थी। युवक का कहना है कि दुल्हन एक और दूल्हे अनेक बनाकर यह गिरोह युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। यह गैंग खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के उन युवकों को निशाना बनाता था, जिन्हें शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में परेशानी होती है। यह गैंग एजेंटों के जरिए युवकों को निशाना बनाया जाता है।

सिंहस्थ तैयारियों को झटका : शिप्रा किनारे व्यावसायिक निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

उज्जैन (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी के करीब प्रस्तावित निर्माण गतिविधियों को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। उच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि शिप्रा नदी के किनारे किसी भी प्रकार की कारोबारी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। विशेष रूप से, नदी तट से 100 से 200 मीटर के दायरे में प्रस्तावित रिसॉर्ट निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह फैसला उज्जैन निवासी सत्यनारायण द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन कर हो रहे अवैध निर्माणों को चुनौती दी गई थी। पूर्व में, हाईकोर्ट ने नगर निगम और राज्य शासन को 200 मीटर क्षेत्र में अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में, उज्जैन नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है, कुछ अतिक्रमण हटाए गए हैं और कुछ को नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेला को ध्यान में रखकर बनाई गई रिवर फ्रंट डेवलपमेंट योजना का भी उल्लेख हुआ। इस योजना के तहत, नदी से 100 मीटर क्षेत्र में घाट विकास और सुंदरीकरण जैसे गैर-व्यावसायिक कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें कोर्ट ने सैद्धांतिक रूप से इजाजत योग्य माना। हालांकि, 100 से 200 मीटर के दायरे में आश्रम, मठ, प्रवचन हॉल, धर्मशालाओं के साथ-साथ प्रस्तावित रिसॉर्ट जैसी कारोबारी गतिविधियों को लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे रिसॉर्ट जैसे व्यावसायिक निर्माण को स्वीकार करना संभव नहीं है। अगली सुनवाई तक, इस 100 से 200 मीटर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के रिसॉर्ट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय सिंहस्थ की तैयारियों में शामिल उन योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनमें शिप्रा तट के व्यावसायिक उपयोग की परिकल्पना की गई थी।

इंडिया गठबंधन का सिर्फ एक ही काम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना

-राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कांग्रेस पर हुए हमलावार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने फिर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी स्पष्ट मिशन या विजन पर आधारित नहीं है। बल्कि भ्रम, विभाजन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का समूह है। जिसका सिर्फ एक ही काम हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस लोकल दलों का इस्तेमाल कर उन्हें बाद में छोड़ देती है। उन्होंने दावा किया कि देश में इस गठबंधन की कोई मजबूत उपस्थिति या एकजुटता दिखाई नहीं देती है और यह केवल राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बना एक अस्थायी गठबंधन है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है, बल्कि यह भ्रम और विभाजन का गठबंधन है। उनके अनुसार, इसमें शामिल दलों के बीच न नीति को लेकर एकरूपता है और न ही देश के विकास के लिए कोई साझा विजन इन लोगों के पास मौजूद है।

मध्य प्रदेश में गहराया भू-जल संकट: मालवा-बुंदेलखंड में हजार फीट पर भी धूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश के भू-जल स्तर की भयावह स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कई प्रमुख क्षेत्रों में भू-जल का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे भविष्य में पानी का विकट संकट खड़ा होने की आशंका है।

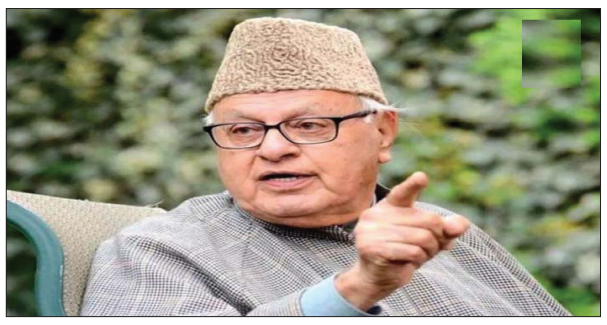
मालवा क्षेत्र, अपनी उपजाऊ मिट्टी के लिए प्रसिद्ध, अब भू-जल खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से उज्जैन जिले की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुछ ब्लॉकों में भू-जल रिचार्ज से कहीं अधिक 144 प्रतिशत तक निकाला जा रहा है। उज्जैन के सभी छह ब्लॉक रेड अलर्ट श्रेणी में हैं। राजधानी भोपाल में भी भू-जल का दोहन 80 प्रतिशत के पार निकल गया है, और इसके तीनों ब्लॉक सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में हैं, जिसका सीधा अर्थ है कि भू-जल का उपयोग रिचार्ज की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है।



बुंदेलखंड क्षेत्र भी गहरे जल संकट का सामना कर रहा है। टीकमगढ़ के सभी ब्लॉक तेजी से रेड ज़ोन की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि टीकमगढ़ और छतरपुर के आधे हिस्सों में भू-जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। भू-जल अधिकारियों का कहना है कि 70 प्रतिशत से अधिक भू-जल का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए; इससे अधिक उपयोग ब्लॉक को असुरक्षित श्रेणी में डाल देता है।

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि पानी खींचने की यही गति बनी रही, तब आने वाले सालों में इन इलाकों में बोरवेल सिर्फ धूल निकलनी है। इसके प्रमाण अभी से मिलने लगे हैं। उज्जैन की खाचरोद तहसील के पथलासी गांव में 1100 फीट की गहराई पर भी पानी नहीं मिल रहा है, जहां 24 निजी बोरवेल में से केवल तीन ही सफल हुए और तीन सरकारी बोर भी सूखे पड़े हैं। वहीं, टीकमगढ़ के माडूमार गांव में 400 फीट पर भी पानी न होने के कारण किसान केवल खरीफ की फसल पर निर्भर हैं और रबी की बुवाई के लिए सिंचाई का पानी खरीदना पड़ता है। फिलहाल राहत की बात केवल सागर जिले से है, जहां सभी 11 ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में बने हुए हैं क्योंकि यहां 70 प्रतिशत से कम भू-जल का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, पूरे प्रदेश में बिगड़ती भू-जल स्थिति एक बड़े सूखे और जल संकट की ओर इशारा कर रही है, जिस पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....



-सियासी हलके में हुई तीखी प्रतिक्रिया

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8:15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10:50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

विजय की टीवीके को कांग्रेस का समर्थन, 7 को ले सकते हैं शपथ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को कांग्रेस ने समर्थन देने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान टीवीके को समर्थन देने का प्रस्ताव पास किया है और जल्द ही इसका आधिकारिक पत्र जारी किया जा सकता है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस ने 2021 और 2026 का चुनाव द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन अब वह विजय के साथ सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा रही है। चर्चा है कि कांग्रेस इसके बदले कैबिनेट में दो मंत्री पद और कुछ सरकारी बोर्डों के अध्यक्ष पद की मांग कर सकती है।

राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है, जबकि टीवीके को 108 सीटें हासिल हुई हैं।



कांग्रेस के पांच निर्वाचित विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय के पास कुल 113 विधायकों का साथ हो जाएगा। हालांकि, बहुमत के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी भी 5 और विधायकों की जरूरत है। बताया जा रहा है कि टीवीके नेतृत्व वीसीके, लेफ्ट और अन्य छोटे दलों के संपर्क में है ताकि सरकार गठन में कोई बाधा न आए। विजय बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं और संभवतः 7 मई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं।

गणितीय आंकड़ों के खेल में एक पेच यह भी है कि विजय ने दो सीटों—चेन्नई की पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व—से जीत हासिल की है। निर्वाचन नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। यदि वे तिरुचिरापल्ली सीट छोड़ते हैं, तो उनकी पार्टी की संख्या 107 रह जाएगी। इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त होने की स्थिति में प्रभावी मतदान क्षमता 106 तक गिर सकती है, जिससे गठबंधन को अतिरिक्त समर्थन जुटाने के लिए और अधिक मशक्कत करनी होगी। फिलहाल चेन्नई स्थित विजय के आवास पर विधायकों की बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस विधायकों के भी जल्द ही उनसे मुलाकात करने की संभावना है। यदि यह गठबंधन सफल होता है, तो तमिलनाडु में दशकों पुराने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6:30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

ममता बनर्जी ने राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर बड़ी गलती की: राउत

-कांग्रेस नेता ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ, वह दूरदर्शी नेता

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर और उनसे गठबंधन के संबंध में वार्ता ना करके बड़ी गलती की, वरना विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और ही होते। ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत लोकतंत्र की जीत नहीं है, क्योंकि एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।



उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं की हार के बावजूद, इंडिया गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ। वह एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने भी एक समय अधिकांश राज्यों में जीत हासिल की थी, फिर भी उन्हें बाद में करारी हार का सामना करना पड़ा। राउत ने कहा कि बीजेपी भी इस समय शिखर पर है और भविष्य में उसे भी हार का सामना करना पड़ेगा।

राउत ने बुधवार को कहा कि ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। मैंने उनकी बातों को ध्यान से सुना और समझा। उन्होंने पहली बात यह कही कि चुनाव आयोग विलेन है और इसी विलेन ने चुनाव जीता है। दूसरी बात उन्होंने कही कि पोलिंग बूथों और काउंटिंग सेंटरों पर डराया-धमकाया गया, जो कि बहुत शर्मनाक था। ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया है कि 100 विधानसभा सीटों पर धांधली हुई और लाखों नाम हटा दिए गए, उनके मुताबिक ये बातें सच हैं। उन्होंने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनकी नैतिक जीत है और वह खुद को जीता हुआ मानती हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि ममता दीदी हमेशा से एक आंदोलनकारी रही हैं, चाहे वह सीएम हों, सत्ता में हों या विपक्ष में। सीएम रहते हुए भी वह ईडी और केंद्र सरकार जैसी एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हैं। अगर वह कह रही हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि वह हारी नहीं हैं, तो मैं इसे उनके विरोध के एक हिस्से के रूप में देखता हूं। यह एक आंदोलन है, सरकार के रवैये के खिलाफ एक तरह का प्रतिरोध है और मेरा मानना है कि ऐसा आंदोलन होना चाहिए।

बता दें पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने 207 सीटें जीती हैं, जबकि टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को 2 सीटों पर जीत मिली है। पहली बार चुनाव में उतरी हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी को भी 2 सीटें मिलीं, जबकि लेफ्ट और एआईएसएफ के खाते में 1-1 सीट आई।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

-राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई 22 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को लेकर अहम कानूनी फैसला फिलहाल टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित करते हुए अगली सुनवाई 22 मई तय की है। अब उसी दिन अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय देगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी इस मामले में सुनवाई टल गई थी और अदालत ने 6 मई की तारीख निर्धारित की थी।

पूरा मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करते हुए एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन और अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों को नामजद किया गया। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम समेत कई शहरों में छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जुटाए गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। अब इस मामले में 22 मई की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अदालत आरोप तय करने पर अंतिम फैसला सुना सकती है।



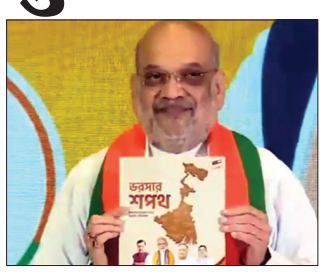
पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र खड़ी करेगा चुनौतियां

बंगाल में वित्तीय चुनौतियों के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक युग का अंत हुआ है। 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा ने राज्य की कमान संभाल ली है। इस बड़े राजनीतिक उलटफेर के बाद अब प्रदेश की जनता और आर्थिक विशेषज्ञों की नजरें नई सरकार के उन वादों पर टिकी हैं, जो भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र संकल्प पत्र में किए थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्ज और सीमित संसाधनों के दबाव में दबी राज्य की अर्थव्यवस्था इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का बोझ कैसे उठाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों में सबसे प्रमुख महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देना है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्गों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, लेकिन इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा। इसके साथ ही, लंबे समय से लंबित सातवें वेतन आयोग को लागू करने और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का वादा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत तो है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व व्यय में भारी वृद्धि होना तय है। वर्तमान वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो बंगाल की नई सरकार के लिए राह आसान नहीं दिखती। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत रहा है। हालांकि, आगामी वर्षों में इसके घटकर 2.9 प्रतिशत तक आने का अनुमान है, जो वित्तीय अनुशासन की ओर इशारा करता है, लेकिन यह सुधार नए और बड़े खर्चों के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं छोड़ता।

राज्य की वित्तीय स्थिति में सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्ज का स्तर है, जो जीएसडीपी का लगभग 38 प्रतिशत बना हुआ है। यह उच्च स्तर दर्शाता है कि राज्य अपनी जरूरतों के लिए उधारी पर बहुत अधिक निर्भर है। इसके अलावा, राज्यों की अपनी कर आय उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों का केवल 41 प्रतिशत ही है। यानी आधे से भी अधिक राजस्व के लिए केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। वर्तमान खर्च के ढांचे को देखें तो बजट का बड़ा हिस्सा राजस्व व्यय (वेतन, पेंशन और सब्सिडी) में चला जाता है, जबकि विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय केवल 4 प्रतिशत तक सीमित है। नई सरकार के सामने अब यह बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने लोक-कल्याणकारी वादों को पूरा करने के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के लिए धन कैसे जुटाती है। वेतन संशोधन और नकद सहायता योजनाओं के लागू होने से विकास कार्यों के लिए वित्तीय जगह और भी कम हो सकती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार वित्तीय अनुशासन और जन-आकांक्षाओं के बीच कैसे तालमेल बिठाती है।



ममता की हार देख अखिलेश ने आईपैक से तोड़ा नाता, अब पार्टी खुद करेगी चुनाव प्रबंधन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की चुनावी हार के बाद चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि अब पार्टी खुद चुनाव प्रबंधन करेगी। आधिकारिक तौर पर सपा की तरफ से आईपैक से ना तो रिश्ता जोड़ने का कोई बयान आया था ना ही अब जबकि 2027 चुनाव के लिए आईपैक से संबंध टूटे हैं तो इसका कोई आधिकारिक बयान पार्टी की तरफ से आया है, लेकिन पार्टी सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव प्रबंधन करने वाली सबसे चर्चित कंपनी आईपैक से अब समाजवादी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। सपा के इंसाइडर्स यह बता रहे हैं कि आईपैक पर पड़े लगातार छापे और अब दो राज्यों में चुनावी हार, जहां आईपैक इस चुनाव को मैनेज कर रही थी उसके बाद पार्टी के थिंक टैंक ने इस संस्था से दूरी बनाना ही बेहतर समझा है और आईपैक को ये बात भी दी है कि चुनाव में साथ नहीं चल सकते। बता दें जिस दिन कोलकाता में आईपैक ऑफिस में छापे पड़ रहे थे और ममता बनर्जी आईपैक के दफ्तर पहुंच गई, उसे दिन समाजवादी पार्टी ऑफिस आईपैक अपना प्रेजेंटेशन दे रही थी। आईपैक के साथ जाने का सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन प्रेजेंटेशन के दिन ही पड़े छापे ने अखिलेश यादव का खबरदार कर दिया था और तभी यह पार्टी सोचने लगी थी क्या आईपैड को साथ लेना कहीं भारी तो नहीं पड़ जाएगा। अब ममता और स्टालिन की हार के बाद इस पर मोहर लग गई है।



घुड़चढ़ी पर पहुंची महिला, मैरिज होम से गायब हुआ लड़का

आगरा। आगरा के एत्मादपुर कस्बे के एक मैरिज होम में चल रहे विवाह समारोह में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब दूल्हे की पत्नी पुलिस और परिजन के साथ पहुंची। पत्नी को देख दूल्हा मैरिज होम के पिछले दरवाजे से भाग गया। पुलिस ने मौके से दूल्हे के भाई और पिता को हिरासत में ले लिया। रात डेढ़ बजे थाना पुलिस की मौजूदगी में आपसी सुलह समझौता होने पर शनिवार सुबह दुल्हन का विवाह उसकी बड़ी बहन के देवर संग करा दिया गया। मामला शुक्रवार रात्रि कस्बे के बरहन सड़क स्थित एक मैरिज होम का है। मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र के गांव की 29 वर्षीय पीड़ति को सुबह नोएडा में सूचना मिली कि उसका पति जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू हाल निवासी स्टेशन सड़क, मंगलम सिटी कॉलोनी टूंडला दूसरी शादी करने के लिए बरात लेकर जा रहा है। वह नोएडा से अपने पिता और परिजन संग पति जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू के टूंडला स्थित घर पहुंची तो वहां ताला लटका मिला। टूंडला थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने जीतू का मोबाइल सर्विलांस पर लगा दिया। देर शाम उसकी लोकेशन एत्मादपुर में मिली। इस पर पीड़ति महिला के परिजन को रात नौ बजे दुर्गा मैरिज होम में बरात आने का पता चल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस वक्त घोड़ी और बैंड-बाजे वाले बरात चढ़ाई को तैयार खड़े थे। तभी महिला के पहुंचने पर कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान दूल्हा मैरिज होम के पिछले दरवाजे से भाग गया। पुलिस ने मौके से दूल्हे के तीन परिजन को हिरासत में ले लिया। विवाह समारोह में खलल पड़ने पर दुल्हन पक्ष सकते में आ गया। सभी थाना पहुंचे तो पुलिस ने एक-एक पक्ष से पूछताछ की। इसके बाद देर रात दुल्हन पक्ष के सभी मैरिज होम आ गए। वहीं दुल्हन की बड़ी बहन की ससुराल नगला नत्थू का बुर्ज (छलेसर) जाकर रिश्ते की बात बनने पर शनिवार सुबह बैंड-बाजे संग घुड़चढ़ी की रस्म पूरी होने पर उसके देवर के साथ दुल्हन ने सात फेरे ले लिए। पीड़ति के पिता ने बताया कि वर्ष 2018 में बेटी की शादी उन्होंने रिश्तेदारों के कहने पर जीतू के बड़े भाई के साथ की थी। शादी के दस दिन बाद पता चला कि वह नपुंसक है। इस पर सभी के समझाने पर देवर जितेन्द्र के साथ बेटी का विवाह कर दिया। वर्तमान में वह दोनों नोएडा में रहते थे। जीतू वहां से दस दिन पूर्व बहनोई की तबियत खराब होने का बहाना बनाकर टूंडला आ गया था। कल बेटी को किसी ने फोन कर बताया कि जीतू दूसरी शादी करने को बरात लेकर जा रहा है। इसके बाद वह एत्मादपुर पहुंचे। वहीं, इंस्पेक्टर ने बताया को दोनों पक्षों में आपसी समझौता हो गया है।

अमन शर्मा की आत्महत्या-आधार और कानून

नई दिल्ली। 2 मई 2026 को अमन कुमार शर्मा ने दक्षिण दिल्ली स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। उनकी उम्र महज तीस साल थी। पुणे के सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से 2018 में BA LLB की डिग्री लेने के बाद शर्मा ने जून 2021 में दिल्ली न्यायिक सेवा में प्रवेश लिया था और अपनी मृत्यु के समय वे कड़कड़डूमा कोर्ट में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के पद पर तैनात थे। उनका आखिरी फोन अपने पिता को था। कहा बस इतना — अब जीना संभव नहीं रहा। पिता अलवर से रातभर गाड़ी चलाकर पहुंचे। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने शर्मा की पत्नी के खिलाफ, जो स्वयं एक न्यायिक अधिकारी हैं, सफदरजंग एन्क्लेव थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत FIR दर्ज की।

वो पैटर्न जिसे न्यायपालिका ने अभी तक नहीं समझा

सितंबर 2022 में कटक स्थित अपने सरकारी आवास में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुभाष कुमार बेहरी को फंदे से लटका हुआ पाया गया। उसी सुबह उन्होंने छुट्टी बढ़ाने की अर्जी दी थी। उनकी माँ और परिजनों ने आत्महत्या की बात को सिरे से नकार दिया और पत्नी व ससुराल पक्ष पर संदेह जताया। अगले दिन कटक बार एसोसिएशन ने न्यायालय कार्य से विरत रहने का प्रस्ताव पारित किया। उत्तर प्रदेश के बदायूं में सत्ताईस साल की सिविल जज ज्योत्सना राय अपने सरकारी आवास में फंदे से लटकी मिलीं। शुरुआत में एक सुसाइड नोट बरामद हुआ, लेकिन उनके पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज की। उनका बदायूं में तबादला महज एक साल पहले हुआ था। फिर महाराष्ट्र का मामला है, जो बिल्कुल अलग कहानी कहता है। सिविल जज अनुप जावलकर चंदूर रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर मृत पाए गए। उनके घर से बरामद सुसाइड नोट में न पत्नी का नाम था, न परिवार का। उसमें पाँच वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के नाम थे। पुलिस ने यवतमाल के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दो अन्य सिविल जज, विधिक सेवा प्राधिकरण के एक सदस्य और एक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ तत्कालीन IPC के तहत आत्महत्या के दुष्प्रेरण का मामला दर्ज किया। चार राज्यों में चार न्यायिक अधिकारी। शर्मा, बेहरी और राय के मामलों में घरेलू तनाव का एक साझा धागा है। जावलकर का मामला उंगली संस्था के भीतर उठाता है, उसी पदक्रम की तरफ जिसका वे हिस्सा थे। दोनों प्रवृत्तियाँ गंभीर हैं। किसी पर भी ध्यान नहीं दिया गया।

वो दबाव जिन्हें कोई नहीं मापता

भारत की अधीनस्थ न्यायपालिका उन परिस्थितियों में काम करती है जो किसी को भी तोड़ दें। देश भर की अदालतों में पाँच करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। प्रत्येक न्यायिक अधिकारी एक साथ सैकड़ों मामलों की सुनवाई करता है, और प्राय: पर्याप्त लिपिकीय या प्रशासनिक सहयोग के बिना। तबादले इस दर्द को और बढ़ाते हैं। किसी अधिकारी को कम सूचना पर किसी नए शहर में भेज दिया जाता है और पीछे छूट जाते हैं परिवार, जाने-पहचाने चेहरे और जिंदगी की वो लय जो मुश्किल से बनती है। कई अधिकारी सालों तक ऐसे शहरों में पोस्टेड रहते हैं जहाँ उनका कोई नहीं होता। दबाव केवल आँकड़ों



तक सीमित नहीं है। न्यायिक पद के साथ एक सामाजिक अपेक्षा चलती है जो कोर्टरूम के बाहर भी पीछा नहीं छोड़ती। हर हाल में संयम बनाए रखने की उम्मीद की जाती है। परिवार और समाज दोनों इस नियुक्ति को एक भारी दायित्व की तरह देखते हैं। और कुछ मामलों में, जैसा कि जावलकर के नोट से पता चलता है, संस्था के भीतर के वरिष्ठ ही दबाव का स्रोत बन जाते हैं। उनके आरोप विशिष्ट और नामित थे। जब तक संस्था ने गंभीरता से यह न जाँचा हो कि ये अपवाद हैं या एक प्रवृत्ति, तब तक इन्हें अपवाद मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। अधीनस्थ न्यायपालिका में मानसिक स्वास्थ्य पर भारत में कोई विश्वसनीय शोध नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम में हुए अध्ययन बताते हैं कि न्यायिक अधिकारियों में अधिकांश समकक्ष व्यवसायों की तुलना में चिंता और बर्नआउट की दर काफी अधिक है। भारत में इसके समकक्ष आँकड़ों का न होना कोई तटस्थ तथ्य नहीं है। यह एक संस्थागत निर्णय को दर्शाता है, देखने से इनकार। शर्मा 2018 में लॉ स्कूल से निकले और 2021 में न्यायपालिका में शामिल हुए। वे करियर के शुरुआती दौर में थे। बेहरी, राय और जावलकर भी इसी मुकाम पर थे। ये लंबे करियर के अंत में थके हुए अधिकारी नहीं थे। यह बात मायने रखती है।

FIR पर एक जरूरी बात

ब्नहस् की धारा 108 की दहलीज कम नहीं है। रमेश कुमार बनाम छत्तीसगढ़ राज्य, (2001) 9 स्प्ष्ट 618 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि आत्महत्या के दुष्प्रेरण को साबित करने के लिए आरोपी के आचरण और आत्महत्या के बीच सीधा और निकटतम संबंध होना आवश्यक है। एक कठिन विवाह अपने आप में इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता। न्यायालयों ने जानबूझकर इस मानक को बनाए रखा है, क्योंकि अगर दहलीज कम हो जाए तो हर वो कड़वा रिश्ता जो त्रासदी में समाप्त हो, आपराधिक दायित्व की जद में आ जाएगा। शर्मा की पत्नी ने अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। जाँच जारी है। नतीजा चाहे जो हो, वे उस अनुमान की हकदार हैं जो कानून हर आरोपी को देता है, चाहे जनमत कितना भी आगे निकल गया हो।

आगे का रास्ता

ये मामले एकसाथ पढ़े जाएं तो उन खामियों की तरफ इशारा करते हैं जिन्हें शोकसभाओं और प्रस्तावों से नहीं भरा जा सकता। कम से कम इतना तो होना ही चाहिए कि अधीनस्थ न्यायपालिका के लिए एक गोपनीय मानसिक स्वास्थ्य ढाँचा हो, जहाँ अधिकारी मदद माँग सकें और यह बात उन लोगों तक न पहुँचे जो उनकी पोस्टिंग और पदोन्नति तय करते हैं। तबादला नीतियों में व्यक्तिगत परिस्थितियों का भी ध्यान रखा जाए, न कि केवल प्रशासनिक सुविधा का। और जहाँ वरिष्ठों द्वारा उत्पीड़न के आरोप उठें, जैसा कि जावलकर के मामले में हुआ, वहाँ एक स्वतंत्र जाँच तंत्र होना चाहिए जो उसी पदक्रम में वापस न लौटे जिसके बारे में शिकायत है।

सर्वोच्च न्यायालय के पास उच्च न्यायालयों को इस दिशा में निर्देश देने का अधिकार है। राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी अपने दायरे को बढ़ाकर निरंतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता को शामिल कर सकती है, एकबारगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों से आगे जाकर। ये कोई क्रांतिकारी माँगें नहीं हैं। ये वो न्यूनतम है जो किसी भी संस्था को अपने लोगों के लिए करना चाहिए।

शर्मा के लॉ स्कूल से निकलने और उनकी मृत्यु के बीच महज पाँच साल का फासला था। जिस व्यवस्था की उन्होंने सेवा की, वो उन्हें थाम नहीं सकी। यह सिर्फ एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है। यह एक संस्थागत विफलता है, और यह इतनी बार हो चुकी है कि इसे अपवाद कहना अब ईमानदारी नहीं रही।

Author: डॉ. ए. पी. सिंह,
Eminent Lawyer,
Supreme Court of India

NAME CHANGE
I, DHRUV S/O AMAN SONI residing at H-304, SURBHI SAKSHI HOUSING, NEAR BIJWASAN FLYOVER, DWARKA SECTOR-27, BIJWASAN , DELHI-110061 Have changed my name to DHRUV SONI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PRIYA W/O AMAN SONI residing at H-304, SURBHI SAKSHI HOUSING, NEAR BIJWASAN FLYOVER, DWARKA SECTOR-27, BIJWASAN , DELHI-110061 Have changed my name to PRIYA SONI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ZENAB BANO W/O MOHD SHOAIB ANSARI Residing at H No. 74, RASHID MARKET EXTENSION, KRISHNA NAGAR, EAST DELHI 110051 have changed my name to ZENAB ANSARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JC-250148Y Rank-RIS Name-NARESH KUMAR residing at BIROHAR (145), JHAJJAR, HARYANA-124106 have changed my father's name from RAM PHAL to RAMPHAL, in my service records my father's date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1944, instead of his correct date of birth as 01/01/1945, vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-250148Y Rank-RIS Name-NARESH KUMAR residing at BIROHAR (145), JHAJJAR, HARYANA-124106 have changed my mother's name from NIBO DEVI to NIMBO, in my service records my mother's date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1948, instead of her correct date of birth as 01/01/1945, vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Romar S/o K.P Goswami R/o C-201, Madhuban Enclave, Preet Vihar, Delhi-110092 declare that Romar and Romershi Goswami are one and the same person.

NAME CHANGE
I, VARSHA KHERA D/O TILAK RAJ CHANDANA R/O 208-B NEW COLONY GURUDWARA ROAD GURGAON-122001 HARYANA, HAVE CHANGED MY NAME TO VARSHA CHANDNA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, ROHTASH KUMAR S/O KANWAR LAL R/O HOUSE NO-327, NEAR FOUNTAIN CHOWK,WARD NO-13, SOHNA, GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO ROHTASH KUMAR SINGLA FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I, NAVNEET S/O KRISHAN LAL DHINGRA R/O C2-1111,GF, PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME TO NAVNEET DHINGRA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, TANU W/O NAVNEET DHINGRA R/O HOUSE NO-1111, GF, C2, PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME TO TANU GROVER FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I, Nazra D/O Shamim Khan R/O H no-C-1A, Near SBI, Tigri extension, South Delhi 110062, declare that the name of my mother has been wrongly mentioned as Nazma Begum in my educational documents. The actual name of my mother is Sabra Begum.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Atif Khan S/O Shamim Khan R/O H no-C-1A, Near SBI, Tigri extension, South Delhi 110062, declare that the name of my mother has been wrongly mentioned as Nazma Begum in my educational documents. The actual name of my mother is Sabra Begum

NAME CHANGE
I, NO.-2613210H Rank-HAV Name-T KAVERIYAPPAN legal father of K BHUVISH R/o VILL-PARUVEETHI, PO-ENUSONAI, TEH-HOSUR, DIST-KRISHNAGIRI, TAMILNADU-635117, have changed my minor son's name from K BHUVISH to K BHUVISSH for all future purposes vide affidavit dated 06/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJNI W/O SUSHIL KUMAR JAIN residing at C-116, SURYA NAGAR, CHANDER NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201011 Have changed my name to RAJNI JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNIL BANSAL S/O RAM KISHOR BANSAL residing at H NO-4/25 A SHASTRI STREET VISHWAS NAGAR DELHI-110032 have changed my name to SUNIL KUMAR BANSAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BAPU Father of No. 4582531H Rank-SEP Name-SONAWANE MAHENDRA BAPU residing at-VPO-KAJGAON, TEHSIL-BHADGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA have changed my name from BAPU to BAPU GIRDHAR SONAWANE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/08/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1956, Vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, LATABAI mother of No. 4582531H Rank-SEP Name-SONAWANE MAHENDRA BAPU residing at- VPO-KAJGAON, TEHSIL-BHADGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA have changed my name from LATABAI to LATABAI BAPU SONAWANE for all future purposes, Vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, PUSHPA MAHABALESHWAR MIRASHI wife of No.-14850717P, Rank-NK/HK, Name-RAGHUNATH D SAVANT residing at VPO-MAGALWAD, TEH-HALIYAL, DIST-UTTAR KANNADA, KARNATAKA-581356, have changed my name from PUSHPA MAHABALESHWAR MIRASHI to PUSHPA RAGHUNATH SAVANT for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Kiran Rani, W/o Sunil Kumar, R/o Hno. 66 ,JJ colony ,Satya Niketan Moti Bagh 2, South West Delhi-110021, have changed my name to Kiran.

NAME CHANGE
I NEELAM YADAV wife of No.-14841077P, Rank-HAV/MT, Name-CHANDRA SHEKHAR YADAV residing at VILL-BARHARA, PO-BARASARA, TEH & DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233232, have changed my name from NEELAM YADAV to NILAM for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SATBIRI DEVI mother of No-14843730W, Rank-HAV/MT, Name-AJEET SINGH residing at VPO-JIWANA GULIYAN, TEHSIL-BARAUT, DIST-BAGHPAT, U.P-250345, have changed my name from SATBIRI DEVI to SATYAVIRI for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GITA RANI BISWAS Mother of No-14838609Y, Rank-HAV/MT, Name-BIPLAB BISWAS residing at VPO-BADKULLA, TEHSIL-RANAGHAT, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741121, have changed my name from GITA RANI BISWAS to GITA BISWAS for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANATHAN BISWAS father of No-14838609Y, Rank-HAV/MT, Name-BIPLAB BISWAS residing at VPO-BADKULLA, TEHSIL-RANAGHAT, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741121, have changed my name from SANATHAN BISWAS to SONATAN BISWAS for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public, Delhi.

मिशन रोज़गार
अवसरों का विस्तार
3 करोड़+ MSME एवं निजी क्षेत्र में रोजगार
निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत
उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग तथा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा
आयुष विभाग के लिए चयनित
202 प्रोफेसर/रीडर/चिकित्सा अधिकारी/स्टाफ नर्स
एवं
उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा
व्यावसायिक शिक्षा विभाग के लिए चयनित
272 अनुदेशकों
तथा
दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित
7 नर्स/हॉस्टल वार्डन/कंपाउंडर
को
नियुक्ति पत्र वितरण
आत्मनिर्भरता का द्वार
9 लाख+ सरकारी नौकरी
द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
कपिल देव अग्रवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, उत्तर प्रदेश
नरेन्द्र कुमार कश्यप
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण, उत्तर प्रदेश
डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु'
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (राज्य मंत्री), उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव
दिनांक : 07 मई, 2026 | समय : प्रात: 10:00 बजे | स्थान : लोक भवन सभागार, लखनऊ
मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान 1.47 लाख से अधिक नई इकाइयों में 4.5 लाख
अन्य विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 4.63 लाख+
रोजगार सृजन
मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना 2.98 लाख+
एक जनपद एक उत्पाद योजना 3.26 लाख+
आयुष की पहचान, जन-जन का कल्याण : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रथम बार सिद्ध एवं सोवा-रिग्पा चिकित्सा पद्धति को मान्यता | प्रदेश के 16 जनपदों में एकीकृत आयुष चिकित्सालय संचालित, 04 का निर्माण कार्य पूर्ण, 05 निर्माणाधीन | 395 चिकित्सालयों (216 आयुर्वेदिक/154 होम्योपैथिक/ 25 यूनानी) के नवीन भवन का निर्माण कार्य प्रक्रियाधीन | अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का निर्माण | वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य गतिमान
प्रशिक्षित युवा-समृद्ध उत्तर प्रदेश : विगत 09 वर्षों में 44 नवीन राजकीय आईटीआई में 22 हजार+ अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण | आईटीआई से प्रशिक्षित 7 लाख युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार | 212 राजकीय आईटीआई का टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से उन्नयन | राजकीय आईटीआई में प्रधानाचार्य, अनुदेशक व लिपिक संवर्ग के 3,200 पदों पर नियुक्ति
उत्तर प्रदेश का संकल्प-सशक्त बने दिव्यांगजन : वर्ष 2025-26 में 12.23 लाख दिव्यांगजन को भरण-पोषण अनुदान योजना के अंतर्गत ₹1,439 करोड़ पेंशन राशि वितरित। विगत 09 वर्षों में दुकान निर्माण/संचालन योजना के अंतर्गत 9,110 दिव्यांगजन को स्वरोजगार। प्रदेश में 16 लाख+ दिव्यांगजन को यू.डी.आई.डी कार्ड निर्गत। 35 हजार+ दिव्यांगजन नि:शुल्क कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण/मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना से लाभान्वित
विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

शिक्षा विभाग में पांच जिला अधिकारियों का तबादला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा शिक्षा विभाग ने पांच जिला शिक्षा अधिकारियों का तबादला किया है। शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय कुमार दहिया की ओर से नई नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। आदेशों के मुताबिक करनाल डीईईओ नीलम को पानीपत जिले में डाइट प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं कैथल के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार का तबादला सिरसा किया गया है। डीईओ चरखी-दादरी धर्मेंद्र सिंह का डाइट भैणी खुर्द प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभारी सौंपा गया है। फतेहाबाद डाइट प्राचार्य विनोद कुमार को डीईईओ हांसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही रेवाड़ी डीईओ बृजेंद्र हुड्डा को डाइट प्राचार्य मदीना रोहतक लगाया गया है।

सोनीपत में पूर्व डिप्टी मेयर कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए शामिल

सोनीपत। सोनीपत की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला जब कांग्रेस के पूर्व डिप्टी मेयर मनजीत गहलावत, पूर्व पार्षद नीतू मलिक और गैस एजेंसी संचालक राजेश दहिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थित में सोमवार देर सांय भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले ली। इस घटनाक्रम को शहर की राजनीति में अहम माना जा रहा है, जहां लंबे समय से टिकट वितरण और संगठन को लेकर चल रहे विवाद अब खुलकर सामने आ गए हैं। मनजीत गहलावत ने बताया कि उपचुनाव के दौरान उन पर और कई पार्षदों पर भीतरघात के आरोप लगाए गए थे। नगर निगम चुनाव में उन्होंने पार्षद टिकट की दावेदारी भी की थी। शुरुआत में उनका नाम सूची में होने की चर्चा रही, लेकिन बाद में नाम हटने पर स्थानीय नेताओं की टिकट कटवाने का आरोप कमल दीवान पर लगाया गया। उन्होंने कहा कि वे नई और पुरानी कांग्रेस के बीच फंसे रहे। उनका आरोप है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा संगठन मजबूत करने के पक्ष में नहीं हैं और उन्हें यह भी स्पष्ट नहीं कि संगठन में किसे जिम्मेदारी मिलनी चाहिए।

हिस्ट्रीशीटर अपराधी की सात मंजिला इमारत ढहाने में जुटी पुलिस

गुरुग्राम। एक अपराध की सात मंजिला अवैध इमारत। उसे गिराने के लिए पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में 50 से अधिक मजदूर लगाकर गिराने का काम शुरू कर दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि अपराधी द्वारा अवैध रूप से करीब 124 वर्ग गज जमीन पर अवैध रूप से सात मंजिला मकान में 35 कमरे बनाए हुए हैं। वहां पीजी का संचालन किया जा रहा था। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गुरुग्राम पुलिस ने भूमि माफियाओं और आदतन अपराधियों के खिलाफ एक सटीक एवं सशक्त अभियान चलाया हुआ है। शहर में अवैध कब्जों/अवैध निर्माण के संगठित नेटवर्क पर करारा प्रहार किया जा रहा है। इसी कड़ी में पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर गांव कन्हई में अवैध रूप से किए गए छह मंजिला मकान के निर्माण की पहचान कर मशीनरी और 50 से ज्यादा मजदूरों की सहायता से पूरी तरह अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का काम शुरू किया गया। आरोपी अवैध शराब बेचने, अवैध मादक पदार्थ बेचने सहित विभिन्न गंभीर अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। आरोपी के खिलाफ सात केस भी दर्ज हैं। वह थाना सेक्टर-40 गुरुग्राम का हिस्ट्रीशीटर है। एनडीपीएस के मामले में उसको सजा हो चुकी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि अपराधी की जांच में यह भी सामने आया कि उसके द्वारा अवैध रूप से लगभग लगभग 124 वर्ग गज जमीन पर अवैध रूप से सात मंजिला इमारत में 35 कमरे बनाए हुए हैं। वहां पर वह पीजी का संचालन कर रहा है। यह कार्रवाई गुरुग्राम पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल सिकंदरपुर गुरुग्राम द्वारा जिला प्रशासन के समन्वय से की गई। पुलिस की कड़ी निगरानी में अवैध निर्माण को हटाया जा रहा है।

बैंक में रखा गोल्ड छुड़वाने का झांसा देकर पौने पांच लाख की ठगी

जींद। शहर थाना सफीदों पुलिस ने बैंक से गिरवी रखे गोल्ड छुड़वा उसे देने का झांसा देकर ज्वैलर्स से चार लाख 75 हजार रुपये ठगने पर एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों निवासी जोगेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शहर में ज्वैलर्स की दुकान चलाता है। जिसकी ऐड बना कर सोशल मीडिया पर डाली हुई है। जिसके पर दिए गए नंबर पर गांव शीलाखेड़ी निवासी विनोद ने उसके पास कई बाद व्हाट्सअप काल की। उसने बताया कि उसका लगभग सात लाख रुपये कीमत का सोना कैपरी बैंक सफीदों में गिरवी रखा है। वह सोने का छुड़वाने में असमर्थ है। गिरवी रखे सोने की रसीद भी उसने व्हाट्सअप पर डाल दी। जिसके बाद विनोद उससे मिला। जिसने बताया कि पहले चार लाख 75 हजार रुपये उसके एक्सीस बैंक के खाते में डालने होंगे। जिसके बाद वह राशि कैपरी बैंक में ट्रांसफर होगी। जिस पर उसने खुद कैपरी बैंक के कर्मी प्रदीप से संपर्क साध कर कर विनोद के लोन के बारे में पूछा। बैंक कर्मी ने बताया कि विनोद के तीन लोन हैं। जिनकी राशि चार लाख 75 हजार रुपये बनती है। राशि को आरजीटीएस के माध्यम से उनके बैंक में भेजा जाए। जिसके बाद विनोद का गोल्ड दे दिया जाएगा। गत 16 जनवरी को उसने विनोद को एक्सीस बैंक में चार लाख 75 हजार रुपये दे दिए और विनोद ने उस राशि को अपने खाते में जमा करवा दिया।

सरकारी अस्पतालों में डेंगू रोगियों को निःशुल्क सिंगल डोनर प्लेटलेट्स की शुरु करने वाला पहला राज्य बनाः सीएम

एजेंसी

लाड़वा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहाकि सरकारी अस्पतालों में डेंगू रोगियों के लिए निःशुल्क सिंगल डोनर प्लेटलेट्स की शुरुआत करने वाला हरियाणा उत्तरी क्षेत्र में पहला राज्य बना है। डेंगू मरीजों को 11 हजार रुपये की प्रतिपूर्ति की जाती है। प्रदेश में कुल 154 ब्लड सेंटर कार्यरत हैं। सरकार ने पिछले वर्ष तय लक्ष्य 3 लाख 30 हजार यूनिट्स ब्लड से बढ़कर 4 लाख 50 हजार यूनिट से भी अधिक ब्लड एकत्रित किया। केंद्र सरकार से हरियाणा को वर्ष 2024-25 में सबसे अधिक रक्तदान हेतु रक्तदान में उत्कृष्टता के लिए लगातार दूसरे वर्ष पुरस्कार मिला है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र के लाडवा में केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के साथ हवन यज्ञ में पूर्णाहुति डाली। इसके उपरांत मुख्यमंत्री



ने रिबन काटकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया और रक्तदाताओं को बैज लगाकर व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की इस पावन धरा पर केंद्रीय ऊर्जा एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में आपके बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन में हमेशा सेवा, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आज उनके जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन वास्तव में उनके जीवन मूल्यों को साकार करने का एक श्रेष्ठ प्रयास है।उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। रक्तदान इसी भावना का सर्वोच्च उदाहरण है। जब कोई व्यक्ति अपने रक्त का दान करता है तो वह न केवल एक जीवन को बचाता है, बल्कि उस परिवार को भी खुशियों से भर देता है, जो अपने प्रियजन को खोने के कगार पर होता है। उन्होंने कहा कि यह दान किसी भी अन्य दान से श्रेष्ठ है, क्योंकि यह सीधे जीवन से जुड़ा हुआ है। आज विज्ञान ने अद्भुत प्रगति कर ली है कि हम अंतरिक्ष तक पहुंच गए हैं और नई-नई तकनीकों का आविष्कार कर रहे हैं, लेकिन आज भी रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं बना पाए हैं। इसका अर्थ यह है कि एक इंसान ही दूसरे इंसान के जीवन का सहारा बन सकता है।

शार्ट सर्किट से चलती बस में लगी आग,हादसा टला

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में एक बड़ा हादसा टल गया, जब तिगांव थाना क्षेत्र के मंझावली रोड पर गांव घरौड़ा के पास चलती सिटी बस में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बस के ड्राइवर ने बताया कि वो मंझावली-बल्लभगढ़ रूट पर बस नंबर 0909 चलाते है। वह बल्लभगढ़ बस डिपो के लिए वापस आ रहे थे। हादसे के समय बस में केवल एक ही सवारी मौजूद थी, जिसे ड्राइवर ने समय रहते सुरक्षित बाहर उतार लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वायर में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बस ड्राइवर मनोहर ने बताया कि वह मंझावली रोड पर बस चला रहे थे। जैसे ही बस गांव घरौड़ा के पास पहुंची, बस के इंजन से धुआं उठने लगा और चिंगारी निकलने लगी। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत बस रोककर बस में बैठी एक सवारी को नीचे उतार लिया। इसके बाद देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई। ड्राइवर ने तुरंत पुलिस



और फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की कोई जान की हानि नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

एनएचएम कर्मचारी ऑनलाइन कर सकेंगे छुट्टी का आवेदन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) हरियाणा के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन प्रणाली शुरू करने का ऐलान किया है। इससे कर्मचारियों को अवकाश लेने में आने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी।उन्होंने बताया कि यह नई प्रणाली विभिन्न प्रकार के एनएचएम कर्मचारियों के अवकाश के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विकसित की गई है। एनएचएम के प्रवक्ता ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से कर्मचारी अब कैजुअल लीव, एक्स्ट्राऑर्डिनरी लीव, मैटरनिटी लीव के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही विदेश यात्रा के लिए एनओसी का अनुरोध भी कर सकते हैं। पोर्टल में तिथि चयन करने की सुविधा को सरल और अनुकूल बनाया गया है, जिससे आवेदन में स्पष्टता और सटीकता बनी रहती है।एक्स्ट्राऑर्डिनरी लीव के मामलों में कर्मचारियों को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे, जिससे सक्षम अधिकारी आवेदन का गहन मूल्यांकन कर सकें और उचित निर्णय ले सकें।

आवेदन करने के बाद संबंधित रिपोर्टिंग, रिव्यूइंग और अप्रूविंग अथॉरिटी को एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी। वहीं, अवकाश स्वीकृत या अस्वीकृत होने पर कर्मचारी को भी एसएमएस के जरिए सूचना मिल जाएगी। आने वाले दिनों में इस सिस्टम को और सशक्त बनाया जाएगा।

गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें नागरिक : सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि 8 जून, 2026 को प्रदेश से भव्य सोमनाथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। सोमनाथ मंदिर हमारी अखंड आस्था, सांस्कृतिक धरोहर और आत्मसम्मान के पुनर्जागरण का प्रतीक है। भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक भगवान श्री सोमनाथ महादेव ज्योतिर्लिंग की पावन भूमि के प्रति गहरी श्रद्धा और आस्था है। भारत सरकार द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - 1000 वर्ष की अखंड आस्था के अंतर्गत 11 जनवरी, 2027 तक एक वर्षव्यापी राष्ट्रीय स्मरणोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सचखंड हुजूर साहिब नांदेड़ के दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों से बातचीत कर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस पवित्र यात्रा पर जा रहे यात्रियों को संकल्प दिलवाते हुए कहा



कि वो गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारें। यही इस यात्रा की सच्ची सफलता होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री को स्मृत्ति चिह्न, सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जो ट्रेन कुरुक्षेत्र से जा रही है वह दो महान तीर्थ स्थलों के बीच सेतु का काम कर रही है। एक तरफ धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र है, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने मोहग्रस्त अर्जुन के माध्यम से संसार को गीता का उपदेश देकर जीवन का मार्ग दिखाया। यही नहीं, यह पावन धरा गुरु साहिबान के पावन चरणों से भी अनेक बार पवित्र हुई है। दूसरी तरफ, सचखंड श्री हुजूर साहिब, नांदेड़ वह पवित्र स्थान है, जहां दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ज्योति जोत समाए। इन दोनों पवित्र स्थलों को जोड़ने वाली यह विशेष ट्रेन भारत की आध्यात्मिक धारा के प्रवाह का प्रतीक बन रही है। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्राएं धार्मिक कार्यक्रम के साथ-साथ समाज को जोड़ने का माध्यम होती हैं। यह लोगों को संस्कारों से और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम होती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत श्री आनंदपुर साहिब- श्री फतेहगढ़ साहिब-श्री चमकौर साहिब-फिरोजपुर अमृतसर- खटकड़ कलां कलानौर-पटियाला विरासत सर्किट के विकास को मंजूरी दी है।

मनोहर लाल ने 2014 में सत्ता परिवर्तन से किया व्यवस्था परिवर्तन : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि मनोहर लाल जैसे संत राजनीति में कम ही होते हैं जो अंत्योदय की भावना के साथ सर्वसमाज के कल्याण में अपना जीवन लगाते हैं। मनोहर लाल ने 2014 में हरियाणा की सत्ता में परिवर्तन के साथ व्यवस्था परिवर्तन की जो नींव रखी थी उसी के चलते आज सरकारी योजनाएं समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। यह बात विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर उनके जीवन पर आधारित गीत 'राजनीति के संत-मनोहर लाल' का लोकार्पण करते हुए कही। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य तथा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित थे। डॉ. नवीन लांबा द्वारा लिखित व नवीन पूनिया द्वारा गाया गया यह गीत एलएच फाउंडेशन द्वारा तैयार किया गया है। इस अवसर पर अतिथिगण द्वारा गीत का पोस्टर भी लॉन्च किया गया। विधान



सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि उन्होंने 40 वर्ष के राजनीतिक जीवन में अनेक सरकारों को बदलते देखा, लेकिन 2014 में व्यवस्था परिवर्तन का सफर शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह परिवर्तन हरियाणा में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल जैसे जन-समर्पित लोक सेवकों के माध्यम से सिरे चढ़ा है। इस गाने के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि व्यक्ति का जीवन कैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मनोहर लाल ने सत्ता संभाली थी तब देश व प्रदेश की हालत अच्छी नहीं थी। लेकिन मोदी जी ने राष्ट्रीय स्तर पर और मनोहर लाल जी ने प्रदेश स्तर पर व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम किया और समाज के वंचित समुदाय तक उनके अधिकार पहुंचाए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा का मुख्यमंत्री बनने के बाद मनोहर लाल जी ने नौकरियों और तबादलों में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने का काम किया और पारदर्शी भर्ती प्रणाली तथा ऑनलाइन ट्रांसफर की नीति को क्रियान्वित किया। 2014 से पहले बच्चों को खर्ची-पर्ची के बिना नौकरी मिलने की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। उनके द्वारा लागू नीतियों के कारण ही आज गरीब घरों के बच्चे बिना पैसे व बिना सिफारिश एचसीएस स्तर की नौकरी पा रहे हैं। मनोहर लाल जी में ठीक को ठीक और गलत को गलत कहने की हिम्मत है। उनकी सादगी व सरलता सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि मनोहर लाल ने हरियाणा में सुशासन स्थापित किया और उन्हीं की नीतियों पर चलते हुए वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा को आगे बढ़ा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में जीत से श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने हुए साकारः कविता जैन

एजेंसी

सोनीपत। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की जीत के बाद सोनीपत में जश्न का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने भी लड्डू बांटकर खुशी जताई और ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। महिला कार्यकर्ता भी उत्साह के साथ जश्न में शामिल रहीं। कार्यालय में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा और कार्यकर्ताओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखी। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने तीन राज्यों के विधानसभा परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जीत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और अमित शाह की रणनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मिली सफलता श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को आगे बढ़ाने वाली है। जनता ने सुरक्षित माहौल और सुशासन के पक्ष में मतदान कर स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर जनता ने अपना फैसला सुनाया है। असम में भाजपा सरकार की लगातार तीसरी जीत को उन्होंने सुशासन पर जनता की मुहर बताया। उनके अनुसार इन



परिणामों ने देश की राजनीति में विकास और स्थिरता की दिशा को मजबूत किया है। नगर निगम चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। कविता जैन ने कहा कि दस मई को होने वाले सोनीपत नगर निगम चुनाव में भाजपा मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेयर उम्मीदवार राजीव जैन सहित सभी बाईस पार्षद उम्मीदवार बड़ी जीत दर्ज करेंगे। आजाद नेहरा, राकेश मलिक और संजय वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने गौशालाओं को दी आर्थिक मदद

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि गौ सेवा (गाय की सेवा) भारतीय संस्कृति में सबसे पवित्र कर्मों में से एक है, जिसे आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और पुण्य प्राप्ति का साधन माना जाता है। प्रतिदिन पहली रोटी गाय को खिलाना (गौ ग्रास), गाय को चारा-पानी देना, घायल गायों का उपचार करना और गौशालाओं को सहयोग देना गौ सेवा के प्रमुख तरीके हैं। गौ सेवा गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास मानकर की जाती है। हरियाणा सरकार गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए कृतसंकल्प है, जिसके लिए सरकार द्वारा प्रदेश में हरियाणा गौ सेवा आयोग का गठन किया गया है।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम पलवल जिला की विभिन्न गौशालाओं को लगभग 17.63 लाख रुपए आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान कर रहे थे। उन्होंने श्री श्री 1008 श्री बाबा बलराम दास गौशाला अलावलपुर को 14 लाख रुपए आर्थिक सहायता राशि, श्री राधे गौ सेवा समिति जोधपुर को 2 लाख 76 हजार रुपए आर्थिक सहायता राशि तथा



श्री वृंदा गौशाला को 86 हजार 940 रूपए आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं है, बल्कि यह समाज और मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को मातृत्व, करुणा और समृद्धि का प्रतीक माना गया है तथा गौ सेवा को सनातन संस्कारों का आधार माना गया है। गौ सेवा के माध्यम से न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित रहती है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना भी सुदृढ़ होती है। इस अवसर पर संबंधित गौ सेवा समितियों के सदस्यों ने खेल राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया।

एचपीजीसीएल के तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी

चंडीगढ़। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में जांच का सामना करने से पहले ही चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय की बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या करने वाले अधिकारी का शव जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया, वहीं चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा पॉवर जनरेशन कॉरपोरेशन के तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

हरियाणा बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड के अकाउंट ऑफिसर बलवंत सिंह से 590 करोड़ के बैंक घोटाले में पूछताछ शुरू हो चुकी थी। सोमवार को उसे सीबीआई के समक्ष पेश होना था। इससे पहले ही बलवंत सिंह ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में आत्महत्या कर ली।

बलवंत सिंह की पत्नी प्रमिला के बयान पर कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ के सेक्टर तीन स्थित पुलिस ने हरियाणा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के पूर्व चीफ फाइनेंस ऑफिसर अमित दीवान, आशीष गोगिया और राजेश को नामजद किया है। ये सभी पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित कार्यालय में तैनात थे। इन पर बलवंत को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। इसकी पुष्टि जांच अधिकारी विवेक शर्मा ने की। अमित दीवान 590 करोड़ के बैंक घोटाले में पहले ही जेल में बंद है। अमित को हरियाणा सरकार नौकरी से बर्खास्त कर चुकी है। आज सुबह बलवंत की पत्नी प्रमिला और भाई कृष्ण व अशोक सेक्टर-16 स्थित अस्पताल पहुंचे और पुलिस के सामने अपने बयान दर्ज कराए। देर शाम बलवंत सिंह के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार को सौंप दिया गया। इस दौरान भाई राजपाल ने बताया कि अंतिम संस्कार पैतृक गांव मुंडाहेड़ा, झज्जर में बुधवार को किया जाएगा। राजपाल ने बताया कि भाई बलवंत अकाउंट ऑफिसर थे। उनके ऊपर दो-तीन सीनियर अधिकारी थे, जो भाई के ऊपर लगातार दबाव डाला, मानसिक रूप से परेशान किया, फंसाने की कोशिश की गई, एक ईमानदार आदमी इन सब बातों को सहन नहीं कर सकता। इसी वजह से भाई बलवंत ने अपना जीवन खत्म कर लिया। दो-तीन सीनियर अधिकारियों के नाम सामने आए है।

निकाय चुनाव में 'हर वार्ड में खिलेगा कमल, टूटेंगे जीत के रिकॉर्ड : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने झज्जर में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानसिक रूप से बीमार हो चुकी है और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति केवल दूसरों पर दोष मढ़ने तक सीमित रह गई है और जनता ने भी कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जो थोड़े बहुत लोग भी कांग्रेस के साथ हैं वे भी कांग्रेस से किनारा कर लेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने झज्जर नगर परिषद के वार्ड नंबर 13 में हो रहे उपचुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी सुधांशु शर्मा के समर्थन में लोगों से सीधा संवाद किया और भाजपा के प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। इस दौरान मोहन लाल बड़ौली प्रत्याशी सुधांशु शर्मा के कार्यालय पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में जनता का जो उत्साह और समर्थन भाजपा के प्रति दिखाई दे रहा है, वह स्पष्ट संकेत देता है कि 10 को जनता का भाजपा को भरपूर आशीर्वाद मिलेगा और हर



वार्ड में कमल खिलेगा तथा जीत के नए रिकॉर्ड बनेंगे। बड़ौली ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में हुई भाजपा की प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश की जनता विकास, सुशासन और पारदर्शिता की राजनीति को पसंद कर रही है और इसी कारण भाजपा को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार जनहित में फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने 217 संकल्प लिए थे, जिनमें से महज डेढ़ साल में ही 63 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं और बाकी संकल्पों को भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा जो भी संकल्प लेती है, उसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ पूरा करती है। यही कारण है कि प्रदेश में भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनावों में भी जनता भाजपा की नीतियों और कार्यों को समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्यों की गति तीन गुणा बढ़ेगी।

हरियाणा में मौसम का यू-टर्न : 11 जिलों में बारिश का 'येलो अलर्ट', ओलावृष्टि से 6 डिग्री तक गिरा पारा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) के चलते मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। लगातार तीसरे दिन प्रदेश के कई हिस्सों में हुई बारिश और ओलावृष्टि ने भीषण गर्मी से बड़ी राहत दी है। ठंडी हवाओं के कारण दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.9°C तक नीचे गिर गया है, जिससे मई की तपिश के बीच लोगों को सुहावने मौसम का अहसास हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (HAU) ने अगले 24 घंटों के लिए प्रदेश के 11 जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल और गुरुग्राम सहित इन जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश की संभावना है। बीती रात प्रदेश में काफी ठंडी रही, जहां रोहतक में न्यूनतम तापमान 17.6°C दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.1 डिग्री कम है। गुरुग्राम में भी रात का पारा सामान्य से 6.7 डिग्री नीचे रहा। मौसम में आए इस अचानक बदलाव को देखते हुए कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन लाल खिचड़ ने किसानों के लिए जरूरी हिदायत जारी की हैः

कटाई और मड़ाईः गेहूं और जौ की कटाई कर चुके किसान अनाज और भूसे को सुरक्षित स्थान पर ढक कर रखें।

कपास की बिजाईः कपास की बिजाई करने वाले किसान अगले 3-4 दिनों तक रुक जाएं।

सिंचाई और छिड़कावः सब्जियों में अभी सिंचाई न करें और 7 मई के बाद मौसम साफ होने पर ही खाद या कीटनाशकों का छिड़काव करें।

मौसम विभाग के अनुसार, 7 से 10 मई के बीच मौसम शुष्क रहेगा और सूरज के तेवर फिर से कड़े होंगे, जिससे तापमान में 4-6 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, 10 मई की रात से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है।

एनएसई ने की आईपीओ की तैयारी, दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तय

नई दिल्ली।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बैंकरों से कंपनी का आंरभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए आईपीओ विवरणिका (डीआरएचपी) दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। एनएसई ने नियामक के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तक है। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर कंपनी द्वारा तय समय सीमा का पालन किया जाता है तो 2026 के आखिर में एनएसई के बड़े आईपीओ लाने का रास्ता साफ हो सकता है। डीआरएचपी जमा करने के बाद एनएसई को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम टिप्पणियों का इंतजार है, जिसमें आम तौर पर दो से तीन महीने का समय लगता है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया कि जून के अंत से पहले डीआरएचपी दाखिल करने से एक्सचेंज फाइलिंग में मदद मिलेगी क्योंकि यह जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के वित्तीय आंकड़ों पर आधारित होगी। एक्सचेंज ने इन आंकड़ों की घोषणा मंगलवार को की। आईपीओ को लेकर ताजा घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर एनएसई ने कहा कि सेबी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर बोर्ड ने 6 फरवरी, 2026 को बिक्री पेशकश के जरिये कंपनी के आईपीओ को मंजूरी दे दी है और अभी इस बारे में और कुछ बताने के लिए नहीं है। आईपीओ मसौदा दायर करने से पहले एक्सचेंज ने 25 मई को बैठक बुलाई है ताकि अपने आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधनों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जा सके। आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन कंपनी का मुख्य कानूनी दस्तावेज होता है जिसमें कंपनी के आंतरिक प्रबंधन, संचालन, नियमों और विनियमों का विवरण होता है। यह कंपनी के दैनिक कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए निदेशकों और शेयरधारकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों और शक्तियों को परिभाषित करता है। एक्सचेंज नियमन संबंधित पुरानी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। इसमें सेबी द्वारा गठित एक उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति की सिफारिश के मुताबिक कोलोकेशन और डार्क फाइबर से जुड़े मामलों में 1800 करोड़ से अधिक का निपटारा भी शामिल है। यह आईपीओ पूरी तरह से ओएफएस होगा और एनएसई कोई नया शेयर जारी नहीं करेगी। इसमें मौजूदा निवेशक मांग के आधार पर अपनी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी बेचेंगे। टेमासेक, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम और क्रिसकैपिटल जैसे शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी कम कर सकते हैं।

बंगाल में बीजेपी सरकार बनने से निवेश और उद्योग को नई रफ्तार की उम्मीद

चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक बोले- यहां भूमि आज भी बड़ी संरचनात्मक चुनौती

नई दिल्ली। 2015 में पश्चिम बंगाल के बर्नपुर स्थित आधुनिक आईआईएससीओ संयंत्र के उद्घाटन समारोह में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी की मौजूदगी में कहा था कि राजनीति और विकास को अलग-अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि आने वाले सालों में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बढ़ते टकराव और टीएमसी की नीतियों के चलते कई बड़े निवेश प्रस्ताव पर असर हुआ। अब राज्य और केंद्र दोनों में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उद्योग जगत की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह राजनीतिक तालमेल पश्चिम बंगाल को फिर से निवेश और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बना पाएगा। बता दें बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में कारोबार सुगमता बढ़ाने, सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने और सिंडिकेट संस्कृति खत्म करने का वादा किया है। पार्टी ने बंदरगाह आधारित विकास, नीली अर्थव्यवस्था, मत्स्य पालन, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और तटीय आर्थिक क्षेत्रों के विस्तार की योजना भी पेश की है। साथ ही आधुनिक इस्पात संयंत्रों और नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास पर भी जोर दिया है। पश्चिम बंगाल के औद्योगिक इतिहास में सिंगूर का मुद्दा हमेशा अहम रहा है। जहां कभी टाटा की नैनो परियोजना प्रस्तावित थी, वहीं अब बीजेपी वहां औद्योगिक पार्क विकसित करने की बात कर रही है। उद्योग जगत की सबसे बड़ी उम्मीद भूमि अधिग्रहण नीति में बदलाव को लेकर है। सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलनों के बाद राज्य में भूमि अधिग्रहण बेहद संवेदनशील विषय बन गया था। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक राजीव सिंह का कहना है कि पश्चिम बंगाल में भूमि आज भी सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौती बनी हुई है। राज्य में जनसंख्या घनत्व ज्यादा है और जमीन छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी हुई है। राज्य में करीब 71 लाख किसान परिवार हैं, जिनमें 96 फीसदी छोटे और सीमांत किसान हैं। औसतन प्रत्येक किसान के पास एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। इसके बावजूद उनका मानना है कि यदि सरकार और उद्योग जगत मिलकर काम करें तो 50 से 100 एकड़ तक जमीन उपलब्ध कराना मुश्किल नहीं होगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 940, निफ्टी 298 उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के संकेतों से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इस कारण कच्चे तेल की कीमतों में 6 फीसदी की गिरावट आई है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 298.15 अंक उछलकर 24,330.95 पर पहुंच गया। बीएसई के शीर्ष 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त पर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी रही। केवल एफएमसीजी सेक्टर के शेयर ही नीचे आये। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप और निफ्टी मिडकैप शेयरों मे 0.9 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त रही। शेयर बाजार में तेजी की वजह से आज निवेशकों को खासा लाभ हुआ। बाजार पूंजीकर 466 लाख करोड़ रुपये से 472 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जिससे निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.42 अंक करीब 0.33 फीसदी की तेजी के साथ 77,248.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.80 अंक उछलकर 24,129.75 पर करोबार कर रहा था। आज महिन्द्रा एंड महिंद्रा , इंटर ग्लोब एवीएशन और टाटा मोटर्स वाहनों के शेयरों में तेजी रही। इन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी आई। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 1.01 फीसदी उछला। दूसरी ओर एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी तेजी का माहौल रहा।

एनएसई ने की आईपीओ की तैयारी, दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तय

नई दिल्ली।

नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बैंकरों से कंपनी का आंरभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए आईपीओ विवरणिका (डीआरएचपी) दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। एनएसई ने नियामक के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराने की समय सीमा 15 जून तक है। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने इसकी जानकारी दी। अगर कंपनी द्वारा तय समय सीमा का पालन किया जाता है तो 2026 के आखिर में एनएसई के बड़े आईपीओ लाने का रास्ता साफ हो सकता है। डीआरएचपी जमा करने के बाद एनएसई को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम टिप्पणियों का इंतजार है, जिसमें आम तौर पर दो से तीन महीने का समय लगता है।

हीरो मोटोकॉर्प को मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री से हुई मोटी कमाई

कंपनी ने प्रत्येक शेयर पर 75 रुपए के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने मार्च 2026 तिमाही में मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 1,473.92 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,168.75 करोड़ था। कंपनी की आय भी बढ़ी है। मार्च तिमाही में ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 12,978.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,969.81 करोड़ था। तिमाही में कंपनी ने 17.14 लाख वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। वहीं, कुल खर्च बढ़कर 11,295.53 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 8,750.13 करोड़ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा बढ़कर 5,775.7 करोड़ रहा, जबकि 2025 में यह 4,375.81 करोड़ रुपए था। वहीं, पूरे साल का रेवेन्यू 47,411.24 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 40,923.42 करोड़ रुपए था। कंपनी के सीईओ हर्षवर्धन चितले ने कहा कि 2026 कंपनी के लिए खास साल रहा। प्रीमियम और इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के साथ घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग से कंपनी को अच्छा फायदा हुआ। हीरो मोटोकॉर्प ने अपने शेयरधारकों के लिए 2 रुपए फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 75 रुपए के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। कंपनी ने डिविडेंड पाने के पात्र शेयरधारकों की पहचान के लिए 24 जुलाई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसके अलावा, कंपनी के बोर्ड ने पवन मुंजाल को 1 अक्टूबर 2026 से अगले पांच साल के लिए फिर से एग्जीक्यूटिव चेयरमैन नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी।

अप्रैल में रिकॉर्ड 26.1 लाख वाहन बिके, ग्रामीण क्षेत्र बना ग्रोथ इंजन

मुंबई ।

अप्रैल माह में वाहनों की खुदरा बिक्री ने एक नया इतिहास बना दिया है। इस साल अप्रैल में कुल 26.1 लाख वाहन बिके, जो बीते अप्रैल की तुलना में 12.94 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दिखाता है। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को जाता है, जिन्होंने शहरी बाजारों से भी बेहतर प्रदर्शन कर देश की आर्थिक गति को बनाए रखा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) और उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, छह में से पांच वाहन श्रेणियों ने अप्रैल 2024 की बिक्री में रिकॉर्ड दर्ज किया। इसमें दोपहिया वाहनों ने 13 प्रतिशत, तिपहिया ने 7 प्रतिशत, यात्री वाहनों ने 12 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों ने 15 प्रतिशत और ट्रैक्टरों ने 23.22 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दिखाई। हालांकि, निर्माण उपकरण श्रेणी में 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने इस गति पर संतोष जताकर कहा कि हम वित्त वर्ष 27 में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के पीछे कई कारक जिम्मेदार रहे, जिसमें जीएसटी 2.0 के बाद उपभोक्ताओं की खर्च करने की बेहतर क्षमता, भारतीय रिजर्व बैंक का ब्याज दरों के प्रति सहायक रुख जिसने ईएमआई की सुविधा बढ़ाई और देशभर में शादियों का जोरदार सीजन शामिल हैं। यह दर्शाता है कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में शुरू हुई संरचनात्मक मांग की गति नए वित्त वर्ष में भी बरकरार है। खासकर यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 4,07,355 यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.21 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि है और यह अब तक का सबसे अच्छा अप्रैल रहा। इस श्रेणी की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि ग्रामीण क्षेत्रों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया, जहां वाहन बिक्री में 20.40 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 7.11 प्रतिशत रही, जो ग्रामीण बढ़त का लगभग तीन गुना है। यह छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक व्यक्तिगत गतिशीलता के संरचनात्मक विस्तार की पुष्टि करता है, इस छोटी कारों की वापसी, एसयूवी की लगातार मांग और सीएनजी (22.62 प्रतिशत) व ईवी (5.77 प्रतिशत) जैसे वैकल्पिक-इंजन वाले मॉडलों के समृद्ध मिश्रण का समर्थन मिला। यात्री वाहनों के बिना बिके स्टॉक का स्तर भी 28 से 30 दिनों की आपूर्ति सीमा में है, इस सकारात्मक माना जा रहा है। अप्रैल 2024 में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने भी अपनी जोरदार रफ्तार बनाए रखी और 19 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई, जो इस श्रेणी के लिए अब तक का सबसे अच्छा अप्रैल है। यहां मांग व्यापक रही, जिसमें शहरी बाजारों में 14.07 प्रतिशत और ग्रामीण बाजारों में 12.30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी 99,339 यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.02 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।



गोदरेज एरोस्पेस ने मुंबई में लगाई नया प्लांट, 2032 तक 20फीसदी विकास का रखा लक्ष्य

कंपनी का ध्यान अगले 4-5 सालों में अपने डिजाइन प्लेटफॉर्म बनाने पर

नई दिल्ली। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की वाणिज्यिक एरोस्पेस विनिर्माण इकाई को वित्त वर्ष 2032 तक सालाना कम से कम 15 से 20 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मांग मजबूत बनी हुई है और उत्पादन स्थिर बना हुआ है। इकाई के कार्यकारी उपाध्यक्ष और कारोबार प्रमुख मानेक बेहरामकामदीन ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूह के रुपए का कुल राजस्व हासिल किया और यह इकाई कोविड-19 के बाद से राजस्व में हर साल 30 फीसदी की बढ़ोतरी कर रही है। कंपनी अब अपना खुद का डिजाइन प्लेटफॉर्म बना रही है, विशेष रूप से सर्वो एक्चुएटर और इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर जैसे पुर्जों के लिए। वह बिल्ड-टु-प्रिंट विनिर्माता से डिजाइन-आधारित कंपनी बनने के लिए मूल्य श्रृंखला में बढ़ने पर विचार कर रही है। बेहरामकामदीन ने कहा कि अगले प्रणाली के लिए डिजाइन हाउस बनने का लक्ष्य है। ये प्रणालियां विमान के अहम पुर्जे होते हैं जो पंखों और लैंडिंग गियर जैसे हिस्सों की गति को नियंत्रित करती हैं। इससे वे एरोस्पेस विनिर्माण में ज्यादा मूल्य वाली श्रेणी बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान अगले चार से पांच सालों में अपने डिजाइन प्लेटफॉर्म पर काम करने पर होगा। वर्तमान में कंपनी के पास छोटी, लेकिन बढ़ने वाली डिजाइन टीम है और वह मॉडलिंग और विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में क्षमताओं के निर्माण के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ साझेदारी भी कर रही है, जो उड़ान के अहम पुर्जों के विकास के लिए जरुरी होते हैं। इनपुट लागत के बारे में पूछे जाने पर बेहरामकामदीन ने कमोडिटी के वैश्विक बाजारों में अस्थिरता की ओर इशारा किया, विशेष रूप से हाल ही में 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से एरोस्पेस विनिर्माण में उपयोग की जाने वाली धातुओं के संबंध में। विस्तार के बारे में उन्होंने कहा कि समूह ने नई एरोस्पेस विनिर्माण इकाई के लिए करीब 500 करोड़ रुपए की प्रतिबद्धता जताई है।

एयर कंडीशन, एलपीजी, पॉलिमर और प्लास्टिक की कीमतों में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली।



कच्चे माल की महंगाई और सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के चलते एयर कंडीशनर (एसी), एलपीजी, पॉलिमर और प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों में 15 से 20 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उद्योग से जुड़े जानकारों के मुताबिक धातुओं, कंप्रेसर और केमिकल्स की लागत बढ़ने का सीधा असर उपभोक्ता वस्तुओं पर पड़ा है। एसी बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि उत्पादन लागत में करीब 16 फीसदी तक इजाफा हुआ है, जिससे कीमतें बढ़ाना मजबूरी बन गया है। वहीं एलपीजी और पॉलिमर के दाम बढ़ने से प्लास्टिक उत्पाद भी महंगे हो गए हैं। आने वाले दिनों में मिड-रेंज एसी मॉडल्स की कीमत में करीब 1500 से 1750 रुपये तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों में जल्द राहत नहीं मिली, तो महंगाई का असर और बढ़ सकता है।

NAME CHANGE

I hitherto known as DEEPANSHU TALIB S/o VICKY TALIB Residing at A – 3/58-59 , Rohini Sector- 11 , North West Delhi , Delhi – 110085 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPANSHU RIJWANI.I have change only my name not my religion.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sarita Sharma alias Sarita Toteja D/O Dharam Pal Sharma W/O: Rahul Toteja R/O A-45 priyadarshini vihar Laxmi Nagar East Delhi Delhi 110092,have changed my name and shall hereafter be known as SARITA TOTEJA.

NAME CHANGE

I hitherto known as AWADESH YADAV S/o SHAILENDRA JHA R/o H. No. 435, Gali No. 15, Chandan vihar Sant Nagar, Burari, DIST: North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name and shall hereafter be known as SUMIT JHA.

NAME CHANGE

I hitherto known as ALI S/o ASHRAF R/o T-7, 3rd Floor, Begumpur Village, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD ALI

NAME CHANGE

I hitherto known as DISHAN S/o ASHRAF R/o T-7, 3rd Floor, Begumpur Village, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD DISHAN.

NAME CHANGE

I RAKESH GUPTA S/O KAILASH CHAND GUPTA R/O H.NO.1/11799 NEW GALI NO G- 25 PANCHSHEEL GARDEN NAVEEN SHAHDARA DELHI-110032 have changed my name to RAKESH KUMAR GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I hitherto known as ANUJ KUMAR MITTAL alias ANUJ MITTAL S/O RAJ KUMAR MITTAL R/o 13 , Block – MD, Pitampura, North West Delhi , Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as ANUJ KUMAR MITTAL.

NAME CHANGE

I, OM VATI mother of NO-15814880A, Rank-HAV, Name-RAJENDER residing at VPO-CHHAINSA, TEHSIL-BALLABGARH, HARYANA-121004 have changed my name from OM VATI to OMBATI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 12/10/1966 instead of my correct date of birth as 17/02/1966, Vide Affidavit dated 06/05/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Mr. Ram Kumar Singh and Mrs. Komal Devi Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 11098/GC-14, on 11th Floor, Tower-M, , "GC-14/14 AVENUE", situated at Plot No. GH-03, Sector- 16C, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ram Kumar Singh and Mrs. Komal Devi have lost Original GPA executed by Mrs. Kumari Neelam in favour of Mr. Amar Anand duly regd. in BIHPUR vide deed no 3, book no 4, page no 37-42 , vol no 01 , CD-1 year 2019 dated 12.02.2019 and Transfer memorandum issued by GNIDA dated 31.01.2022 in favour of Mr. Ram Kumar Singh and Mrs. Komal Devi of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta 281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, SATYAWATI W/o NARENDER KUMAR R/o. 34/496, SECOND FLOOR, NEW MOTI NAGAR, DELHI-110015. have changed my name to GEETA.

NAME CHANGE

I, SALMA BEGUM W/o WASIM RAJA R/o. F-133, OLD SEEMAPURI, DELHI-110095. have changed my name to SALMA RANI.

NAME CHANGE

I, BASHIR AHMAD S/O CHOTTE KHAN R/o. H NO-F-128/131, OLD SEEMAPURI, DELHI-110095. have changed my name to BASHIR AHMED.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती उर्मिला गुप्ता पुत्री श्री सुंदर लाल गुप्ता, निवासी फ्लैट संख्या 206, गली संख्या 4, रॉयल रेजिडेंसी, निकट ए स्क्वायर मॉल, सैक्टर 73, नोएडा, उत्तर प्रदेश, एक आवासीय फ्लैट संख्या 206, द्वितीय तल, क्षेत्रफल 86.40 वर्ग मीटर, जो आवासीय प्लॉट जिसका क्षेत्रफल क्षेत्रफल 850 वर्ग गज, खसरा संख्या 84 व 85, स्थित रॉयल रेजिडेंसी, गली संख्या 4, निकट ए स्क्वायर कमर्शियल बिल्डिंग, ग्राम सर्फाबाद, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 03.12.2025, क्रमांक 15855, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 14465, पेज 27-42, सब रजिस्ट्रार-1, नोएडा, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 29.10.2018, क्रमांक 8530, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 8743, पेज संख्या 1-78, कही खो गया, जिसके बावत खोने की ऑनलाइन रिपोर्ट दिनांक 30.04.2026, एल ए आर नं0 20260000397650 को पुलिस इकाई पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवाये मुख्यालय लखनऊ, में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्विकल उक्त संपत्ति को श्रीमती अंजली पत्नी श्री शैलेन्द्र कुमार पुत्र श्री बृज लाल कुशवाहा व श्रीमती सोनाली चौधरी पुत्री श्री रामानन्द सागर को बेच रहे हैं, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0, शाखा निठारी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता – डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

NAME CHANGE

I, Sonia w/o Parveen Singhal R/o 539, Side 1, Vikas Puri, West Delhi-110018 have changed my name to Sonia Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JEETU JANEVA W/o ANIL KUMAR R/o Anant Raj Estate, F-Block, Plot No: F9, Second Floor, Sector-63A, Bhondsi(168), Gurgaon - 122001, Haryana have changed my name from JEETU JANEVA to JEETU JANEWA for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I Manoj Sihag S/o Om Parkash Sihag R/o VPO - Chautala, tehsil - Dabwali, District - Sirsa, have changed my name to Manoj Kumar Sihag for all future purposes.

NAME CHANGE

I KAMALJIT SINGH & KAMALJIT SINGH S/O HARI SINGH CHAWLA R/O P.NO -173 WZ -129 PARTAP NAGAR HARI NAGAR DELHI-110O64 have changed my name to KAMAL JEET SINGH CHAWLA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KAMRUDDIN S/O MUSTAKIM MALIK R/O H.NO -342 , GALI NO 3 OLD MUSTAFABAD MUSRAFABAD DELHI -110094 have changed my name to KAMRUDDIN MALIK Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I,MUKESH KUMARI W/O PAWAN SINGH R/O VTC SILANI PANA KESO (263) JHAJJAR HARYANA 124103 have changed my minor 's son name SHOURYAN TO SHOURYAN SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I,MUKESH KUMARI W/O PAWAN SINGH R/O VTC SILANI PANA KESO (263) JHAJJAR HARYANA 124103 have changed my minor 's son name ANSH TO ANSH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DHARMANDER KUMAR S/O MAJNU RAI R/O H.NO 27 A, F-3 BLOCK JAI VIHAR NANGLOI NAJAFGARH DELHI -110043 have changed my name to DHARMENDER KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Parveen Kumar s/o Om Parkash R/o 539, Side 1, Vikas Puri, West Delhi-110018 have changed my name to Parveen Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Hesamul Haque S/o Sirazul Haque R/o Plot No.16, PP No.3696, Golden Enclave, Ranaji Enclave, Najafgarh, New Delhi-110043 have changed my name to Md Hesamul Hak for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Dheeraj S/o Naresh Kumar R/O H. No. 138A, Friends Enclave S. P. Road, Sultanpuri, North West Delhi-110086, have changed my name to Dheeraj Batra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PANKAJ CHAUHAN S/o Rohtash singh Chauhan R/o GT-28, Sector 70 noida Gautambudh nagar Uttar Pradesh-201301, have changed my name from PANKAJ CHAUHAN TO PANKAJ SINGH CHAUHAN, Henceforth I would be known by the name of PANKAJ SINGH CHAUHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I BAL JEET SINGH S/o Maharam Chauhan R/o House No-20, Shahpur goverdhanpur, Sector-128, Gautambudh nagar, uttar pradesh 201301, have changed my name from BAL JEET SINGH TO BALJEET CHAUHAN, Henceforth I would be known by the name of BAJEET CHAUHAN for all future purposes."

NAME CHANGE

I hitherto known as Vimla W/o Shiv Mangal R/o House No-A-9, Morna Sector-35, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Shivdevi.

NAME CHANGE

I, Ankur Rastogi S/O Bipin Kishor Rastogi R/O C 29 Indian Oil Nagar, Sector 55 Noida, Noida Sec 55, Indian Oil Nagar Site 2, Noida , PO: Noida , Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201301, have changed the name of my minor Son Virat Rastogi aged 03 years and he shall hereafter be known as Agasttya Rastogi

NAME CHANGE

I, Surbhi Singla w/o Rupesh Garg R/o A-35, Shish Ram Park, Uttam Nagar, Delhi-110059 have changed my name to Surbhi Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I Hitherto Known as Devender Kumar S/O Amar Singh R/O H NO-E/113, GALI NO-18 H, SADH NAGAR-PALAM COLONY, Palam Village S.O, DIST: South West Delhi, Delhi -110045, have changed my name and shall hereafter be known as DEVINDER KUMAR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Umangpal S/O: Jagdish, R/O Dwarika Puri, Pavli Khas, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed my name and shall hereafter be known as MANGU.

NAME CHANGE

I, Mintu Pal S/O: Mangeram, R/O Dwarika Puri, Pavli Khas, modipuram, Meerut Sardhana, Uttar Pradesh, 250110, have changed the name of my minor son VIRAG aged 7 years and he shall hereafter be known as AKSHAY.

NAME CHANGE

I, DINESH KUMAR S/O RAM NATH VIJ residing at H NO-B-3/371, PASCHIM VIHAR, OUTER DELHI, DELHI-110063. have changed my name to DINESH VIJ for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAWANT MAHADEV, is legally father of Army No. JC 462857K, Rank – NB SUB, Name – SAWANT SANJAY MAHADEV , 41 RR, Presently Residing At – OWALIYE, Post – DEVASU, Tal – SAWANTWADI, Dist – SINDHUDURG, State – Maharashtra, Pin – 416510, have changed my name from SAWANT MAHADEV to SAWANT MAHADEV SITARAM and date of birth from 14/05/1956 to 01/01/1954 for all future purposes.Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Ramika Thapar D/o Rakesh Kapoor R/o 606B, THE CAMELLIAS, SECOR 42, Golf Course Road, Gurgaon - 122001 have changed my name to Ramika Kapoor for all future purposes.

NAME CHANGE

I Chaman Parkash S/o Babu Ram House No -51 Street No 2 BLK-A Near Upavan Appartment Shahbad Extn Parkash Vihar Sahibabad Daulatpur Samai pur North West Delhi 110042 have changed my name to Chaman Prakash for all future purpose.

NAME CHANGE

I Meenu Sahu W/o Gourav Rathor R/o House No NP -36 Maurya Enclave Pitampura Shalimar Bagh North west Delhi- 110088 have changed my name to Meenu Rathore for all future purpose

NAME CHANGE

I HIMANSHU S/O BRIJENDRA KUMAR R/O PLOT 2602 DREAM APARTMENT FLAT NUMBER 201 3RD FLOOR RAJENDRA PARK SECTOR-105 GURGAON HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO HIMANSHU SHUKLA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I Sudesh W/o Joginder Malik R/o Kath Mandi Baroda Road Gohana Sonipat -131301 Haryana have changed my name to Sudesh Malik for all future purpose

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **मीरा देवी, पत्नीः हरि नाथ ठाकुर, निवासीः मकान नंबर 21, राजबाग, ए–ब्लॉक, साहिबाबाद, जैन मंदिर के पास, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** इसके अलावाः **जिला छपरा, ग्राम बनियापुर, डाकघर बनियापुर, बिहार–841409** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **CT. No.1762/2019 U/S 138 NI ACT** के तहत एक मामला **थाना भजनपुरा, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **मीरा देवी** नहीं मिली

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक



ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत ह्यहिंदू वोट बैंकह्न तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार



जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। 'जय श्री राम' के साथ 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

संपादकीय

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल-फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे-बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी-शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतः दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें धराशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुःस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा ह्यएक देश, एक चुनावह्न के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं।



योगेश कुमार गोयल

चिंतन-मनन

भय को निकालें

जब क्रियता का संवेदन होता है तो अक्रियता का संवेदन भी होगा। हमारे सारे तनाव इस परिघि में हो रहे हैं। क्रियता का संवेदन हो, क्रिय मिले, क्रिय को वियोग न हो और अप्रियता का योग न हो। बस, सारी तनाव की यह सीमा है। इसी सीमा में सारे तनाव प्रकट हो रहे हैं। पर मूल में जो छिपा हुआ कारण कार्य कर रहा है, वह मात्र एक ही है- प्रियता का संवेदन, अप्रियता का संवेदन। अब यह संवेदन है तो भय भी पैदा होगा।

एक छोटी सी कहनी है। एक आदमी बहुत डरता था। वह समझदार आदमी के पास गया जो मंत्र को जानता था। उसके पास जाकर बोला, मुझे डर बहुत लगता है। उसने ताबीज बना दिया और कहा, इसको बांध लो। तुम्हारा डर समाप्त हो जाएगा। ताबीज बांध लिया। डर लगना कम हो गया। पर मंत्र जानने वाला व्यक्ति कुछ दिन बाद ही आया और पूछा- भाई! अब डर तो नहीं लगता? उसने कहा, जो काल्पनिक था, वह तो नहीं लगता किन्तु एक डर और पैदा हो गया। निरन्तर मन में भय बना रहता है कि कहीं ताबीज गुम न हो जाए। एक भय तो समाप्त हुआ, दूसरा भय और आ गया। जब यह दृष्टि मूल में बनी रहती है कि प्रिय का वियोग न हो जाए, अप्रिय का योग न हो जाए, तब भय अनिवार्य है। उस मूल कारण से तनाव पैदा होता है। जब प्रिय संवेदन की भावना है, उसका तनाव भी पैदा होता है। हमारे जीवन के संचालन के केन्द्र में जो तत्व है, वह है लोभ। मनोविज्ञान के अनुसार हर व्यक्ति में कुछ मौलिक मनोवृत्तियां होती हैं। जीने की इच्छा भी इसी में एक है।

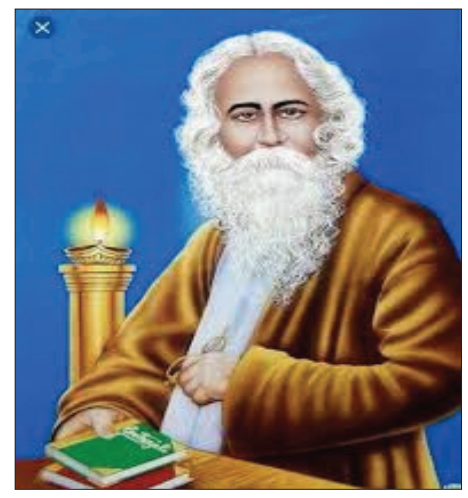
भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।



तेल कंपनियों का रिकॉर्ड मुनाफा और उपभोक्ताओं पर बढ़ता बोझ



कांतिलाल मांडोत

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है।

2026 की शुरूआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है।

सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है।

भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में खसरे का कोहराम : अब तक 294 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप एक भयावह महामारी का रूप ले चुका है। पिछले कुछ दिनों में खसरे और इसके जैसे लक्षणों के कारण 10 और बच्चों की मौत हो गई है, जिसके बाद देश में मरने वाले बच्चों की कुल संख्या 294 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि शनिवार से रविवार सुबह के बीच मात्र 24 घंटों के दौरान खसरे से हुई मौतों का आंकड़ा 50 तक पहुंच गया। जिसने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साइंस एडवाइजर की रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट की मुख्य वजह जुलाई 2024 के राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के बाद शुरू हुई वैक्सीन की खरीद में बहुत बड़ी रुकावट है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के 18 महीनों के कार्यकाल के दौरान देश का पूरा वैक्सीनेशन कवरेज सिस्टम अस्त-व्यस्त हो गया। सबसे बड़ा बदलाव सितंबर 2025 में देखा गया जब अंतरिम सरकार ने यूनिसेफ के माध्यम से वैक्सीन खरीदने की पुरानी प्रक्रिया को बंद कर दिया और इसकी जगह 'ओपन टेंडर सिस्टम' अपना लिया। इस नई खरीद प्रक्रिया के कारण वैक्सीन की आपूर्ति में देरी हुई और देश भर में टीकाकरण दर में भारी गिरावट आई है। खसरे का संक्रमण ढाका, बारिशाल, चटगांव, खुलना और सिलहट जैसे प्रमुख डिवीजनों में फैल चुका है। विशेष रूप से बंदरबन जिले के अलीकादम जैसे पहाड़ी और दूर-दराज के इलाकों में स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। वहां बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं और वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण अपने बच्चों का इलाज स्थानीय नुस्खों और हर्बल दवाओं से करने को मजबूर हैं। अब तक देश में खसरे के 5,313 मामले सामने आ चुके हैं जबकि संदिग्धों की संख्या 40,491 के पार पहुंच गई है। हालात बिगड़ते देख विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत टीकाकरण नहीं बढ़ाया गया तो यह बीमारी और तेजी से फैलेगी। इसी बीच, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि इसे आधिकारिक तौर पर हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया जाए। उनका कहना है कि हालात पहले से ही गंभीर हैं इसलिए सरकार को इसे आपातकाल घोषित करने में अब देरी नहीं करनी चाहिए।

यूक्रेन के मेरेफा पर रूस का मिसाइल हमला, फ्रंट लाइन से दूर रिहायशी इलाकों में मची तबाही ; कई लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। सोमवार को रूस ने यूक्रेन के खार्किव इलाके में स्थित मेरेफा शहर पर जोरदार मिसाइल हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 5 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह शहर युद्ध के फ्रंट लाइन से काफी दूर है, फिर भी वहां आम लोगों की इमारतों और सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इलाके के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि रूस के इस हमले से शहर में काफी तबाही हुई है। मिसाइल गिरने से 10 घर, एक सरकारी दफ्तर, 4 दुकानें, एक गैराज और एक रेस्टोरेंट पूरी तरह या कुछ हद तक खत्म हो गए हैं। गवर्नर ने कहा कि रूसी सेना ने दिन के उजाले में जानबूझकर उन जगहों को निशाना बनाया जहां आम लोग रहते हैं जबकि यह इलाका युद्ध के मुख्य मैदान से काफी दूर और सुरक्षित माना जाता था। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई है। जिनमें दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, 18 अन्य लोग घायल हुए हैं। जिनमें से चार की स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों की शुरुआती जांच के अनुसार, इस हमले में इस्कंदर बैलिस्टिक मिसाइल का प्रयोग किया गया था। हमले के बाद राहत और बचाव टीम ने जो तस्वीरें जारी की हैं वे दिल दहला देने वाली हैं। उनमें देखा जा सकता है कि धमाके से इमारतों की छतें उड़ गई हैं और खिड़कियां चकनाचूर हो गई हैं। बचावकर्मी मौके पर ही घायल और खून से लथपथ लोगों की मदद और उनका इलाज करने में जुटे हैं।

राजदूत क्वात्रा ने पेन्सिलवेनिया के गवर्नर से की मुलाकात, आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

पेन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो से मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। गवर्नर शापिरो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वे निवेश बढ़ाने, प्रतिभा के अवसरों का विस्तार करने और दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए अच्छे रोजगार बनाने के लिए साथ काम जारी रखने को उत्सुक हैं। वहीं, भारतीय दूतावास के अनुसार, क्वात्रा ने भारत में बुनियादी ढांचे, डिजिटल और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) में तेजी से हो रहे बदलावों की जानकारी दी और पेनसिल्वेनिया में भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए शापिरो का धन्यवाद किया।

होर्मुज में भीषण टकराव: ईरान का दावा- अमेरिकी युद्धपोत पर दागीं दो मिसाइलें; अमेरिका ने हमले से किया इनकार



तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में जारी सैन्य गतिरोध अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुच गया है। सोमवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की नौसेना ने दावा किया कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर दो मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी समाचार एजेंसी 'फार्स' के अनुसार, यह कार्रवाई तब की गई जब अमेरिकी जहाज ने ईरानी नौसेना की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया था।

चेतावनी के बाद दो मिसाइल दागी : ईरानी मीडिया का दावा है कि एक अमेरिकी युद्धपोत दक्षिणी बंदरगाह शहर जास्क के पास नियमों को तोड़ते हुए नौकायन कर रहा था। ईरान की नौसेना द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद, उस पर दो मिसाइलें दागी गईं। जिससे अमेरिकी जहाज को वहां से पीछे हटने और भागने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि उनके किसी भी जहाज को मिसाइल नहीं लगी है। वहीं, ईरान ने साफ कर दिया है कि उसकी अनुमति के बिना होर्मुज से किसी भी विदेशी जहाज का गुजरना संभव नहीं होगा और उल्लंघन करने वालों को कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ईरान ने खबरों को किया खारिज : एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने ईरानी मीडिया की उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमला हुआ है। अमेरिका का कहना है कि उनके किसी भी जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में खड़ा हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का ऐलान किया था। इस मिशन के तहत सोमवार से अमेरिकी सेना होर्मुज में फंसे दूसरे देशों के जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू कर रही है।

ईरान की सेना की कड़ी चेतावनी : ईरान के मुख्य सैन्य कमान खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने सोमवार को चेतावनी जारी की है कि अगर अमेरिका या किसी भी देश की सेना होर्मुज में घुसने की कोशिश करेगी तो उस पर हमला किया जाएगा।

ईरान ने साफ कर दिया है कि इस समुद्री रास्ते की सुरक्षा उसके हाथों में है और यहां से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरान की सेना से अनुमति लेनी होगी। दरअसल, 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के जवाब में उसने इजरायल-अमेरिका से जुड़े जहाजों के लिए यह रास्ता बंद कर दिया था।

बातचीत फेल और बढ़ा खतरा : गौरतलब है कि 11 और 12 अप्रैल को ईरान और अमेरिका के बीच सुलह की कोशिशें नाकाम रहीं जिससे तनाव और ज्यादा बढ़ गया। बातचीत के विफल होते ही अमेरिका ने होर्मुज पर ईरान के खिलाफ नाकेबंदी लगा दीं। अब डर यह है कि दोनों देशों के बीच की यह आपसी खींचतान एक बड़े युद्ध का रूप ले सकती है।

बलूचिस्तान में हिंसा से टूटी अमेरिकी उम्मीदें: ट्रंप की निवेश योजनाएं अटकी, कई कंपनियां भी कदम खींच रहीं पीछे

इस्लामाबाद , एजेंसी। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका की बड़ी आर्थिक योजनाओं को झटका दे दिया है। पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात के बाद जो नई शुरुआत दिखी थी, वह अब जमीन पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। खनिज संपदा से भरपूर इस क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार हमलों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने चीन को टक्कर देने के लिए पाकिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश का जोखिम उठाया था। सितंबर 2025 में दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हुई और 1.3 अरब डॉलर के निवेश का रास्ता खुला। लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी के बढ़ते हमलों ने इन योजनाओं को रोक दिया। जनवरी से लगातार हमलों के कारण अमेरिका अब यहां निवेश करने से पीछे हटता दिख रहा है। बलूचिस्तान में हालात तेजी से बिगड़े हैं। 31 जनवरी को हुए बड़े हमले में करीब 500 लड़ाकों ने 58 लोगों की जान ले ली। इसके बाद से कई हमले हुए, जिनमें सैन्य ठिकानों और नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। इन घटनाओं के कारण विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई कंपनियां अपने कदम पीछे खींच रही हैं। बलूचिस्तान सोने और तांबे के बड़े भंडार के लिए जाना जाता है।

सैन्य कार्रवाई राजनीतिक संकट का समाधान नहीं है: अराघची ने अमेरिका और यूएई को दी चेतावनी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिन होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों के ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की। अमेरिका के इस मिशन को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है। इसके अलावा ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी देते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई किसी भी राजनीतिक संकट का हल नहीं है। अमेरिका और यूएई को चेतावनी देते हुए अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'होर्मुज की घटनाओं से यह साफ हो गया है कि राजनीतिक संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है। पाकिस्तान की अच्छी कोशिश से बातचीत आगे बढ़ रही है। इसलिए अमेरिका को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि उसके दुश्मन उसे फिर से दलदल में न घसीट लें। संयुक्त अरब अमीरात को भी ऐसा ही करना चाहिए। प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है।' इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बताने से मना कर दिया कि यूएस और ईरान के बीच हुआ सीजफायर जारी रहेगा या नहीं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट ह्यूग हेविट ने जब पूछा कि क्या ईरान के साथ सीजफायर खत्म हो गया है और क्या सोमवार रात से हमले फिर से शुरू हो सकते हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको यह नहीं बता सकता। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने ईरानी सेना को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने स्ट्रेट या फारस की खाड़ी में अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की तो वे धरती से मिट जाएंगे। बाद में इंटरव्यू में उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के साथ युद्ध, मिलिट्री तौर पर, असल में खत्म हो चुका है। वहीं डेनमार्क की शिपिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक ने सोमवार को कंफर्म किया कि उसका एक जहाज अमेरिकी मिलिट्री प्रोटेक्शन के साथ होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा और उसके सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक के एक बयान के मुताबिक, फरवरी में जब युद्ध शुरू हुआ, तब अलायंस फेयरफैक्स नाम का यह जहाज फारस की खाड़ी में था और जाने में असमर्थ था। मेर्सक ने कहा कि अमेरिकी सेना ने हाल ही में उनसे संपर्क किया था। इसकी वजह से जहाज को अमेरिकी सेना की सुरक्षा में खाड़ी से बाहर निकलने का मौका मिला। मेर्सक के बयान के आखिर में कहा गया, 'मेर्सक इस ऑपरेशन को मुमकिन बनाने में अमेरिकी सेना के प्रोफेशनलिज्म और असरदार सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करता है।

ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी व्यापार नीति का मुख्य टूल बताया, चीन पर साधा निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार नीति का एक मुख्य टूल बना रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ से चीन और दूसरे देशों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का संकेत मिला, जिन्होंने यूएस के बिजनेस को नुकसान पहुंचाया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि सस्ते इंपोर्ट से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस महीने के आखिर में चीन के दौरे पर जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन की यात्रा से पहले उन्होंने कहा, 'चीन और दूसरे देशों के ऐसे प्रोडक्ट बनाने से आपको नुकसान हो रहा है जो उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन उनमें कम पैसे लगते हैं।' उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ इस ट्रेंड को बदलने और रेवेन्यू बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'टैरिफ के इस्तेमाल की वजह से, हमारे पास यह सारा पैसा है।' राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि मौजूदा टैरिफ लेवल शायद काफी नहीं हैं। उन्होंने उन सेक्टर्स की ओर इशारा करते हुए कहा, 'मेरे विचार में टैरिफ सच में काफी ज्यादा नहीं हैं, जिन पर विदेशी कॉम्पिटिशन का लगातार दबाव है। ट्रंप ने कहा कि कंपनियां प्रोडक्शन को अमेरिका में शिफ्ट करके टैरिफ से बच सकती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर वे यहां आकर बिजनेस बनाते हैं तो कोई टैरिफ नहीं है। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग में बड़े स्तर पर सुधार से जोड़ा और कहा, 'हमने अपनी कार इंडस्ट्री खो दी और वे सब वापस आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका-चीन संबंध को कॉम्पिटिटिव बताया, लेकिन दुश्मनी वाला नहीं और कहा, 'हम एआई में चीन से आगे हैं। हमारे बीच फ्रेंडली कॉम्पिटिशन है।' साथ ही, उन्होंने पिछली ट्रेड नीति की आलोचना की और कहा, 'इस देश में हमें दशकों से ठगा गया है। पहले की सरकारें घरेलू उद्योगों को बचाने में नाकाम रही हैं। टैरिफ ने हमारे देश को अमीर बनाया है।' ट्रंप ने फर्नीचर और मैन्युफैक्चरिंग समेत कुछ खास सेक्टर्स पर जोर दिया, जहां उन्होंने कहा कि टैरिफ से प्रोडक्शन को अमेरिका में वापस लाने में मदद मिलेगी।

चीन के बड़े पटाखा प्लांट में भीषण धमाका, 21 लोगों की मौत और 61 घायल



चांग्शा , एजेंसी। सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में बड़े धमाके की जानकारी सामने आई है। चीनी अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस धमाके में 21 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हो गए। धमाके के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है। चीनी मीडिया के अनुसार, धमाका सोमवार शाम करीब 4:43 बजे हुशेंग पटाखे बनाने और डिस्प्ले वाली कंपनी के प्लांट में हुआ। यह हुनान की राजधानी चांग्शा के प्रांतीय स्तर के शहर लियुयांग में है। बचाव के लिए पांच टीमों में 480 से ज्यादा बचाव दल भेजे गए हैं और तीन बचाव रोबोट भी तैनात किए गए हैं। जिस जगह पर धमाका हुआ है, उसके आसपास दो ब्लैक पाउडर गोदाम भी हैं। इसलिए बचाव दल ने आस-पास के लोगों को इलाके से निकाला और दूसरा हादसा रोकने के लिए एक बफर जोन बना दिया है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक, बचाव दल ने पहले राउंड की खोज के बाद हताहतों की पुष्टि कर दी थी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और दूसरे राउंड की खोज जारी है। इमरजेंसी मैनेजमेंट मंत्रालय ने इमरजेंसी बचाव प्रयासों में मदद के लिए एक्सपर्ट्स को मौके पर भेजा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि कंपनी के इंचार्ज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। बचाव दल को पटाखे के प्लांट के 3 किलोमीटर (1.9 मील) के दायरे में सभी को निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों को रेस्क्यू करने के दौरान दूसरे हादसों को रोकने के लिए इलाके में नमी बनाए रखने जैसे उपाय भी किए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन लोगों को ढूंढने के लिए पूरी कोशिश करने को कहा है जो अभी भी लापता हैं और घायलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि शी ने हादसे की जांच की भी मांग की ताकि जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। लियुयांग शहर पटाखे बनाने के लिए जाना जाता है, रिपोर्ट्स में इसे दुनिया का सबसे बड़ा पटाखे बनाने वाला शहर बताया गया है। चीन में पटाखों की फैक्ट्रियों और दुकानों में धमाकों की घटनाएं पहले भी हुई है और ये अक्सर जानलेवा होते हैं। इससे पहले फरवरी में, हुबेई प्रांत में एक पटाखों की दुकान में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे।

प्रशासन ने क्या कड़े कदम उठाए : इस भयंकर विस्फोट के बाद भी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। प्लांट के अंदर काले बारूद (ब्लैक पाउडर) के दो बड़े गोदाम मौजूद हैं, जिनसे एक और बड़ा धमाका होने का भारी जोखिम बना हुआ है। इस खतरे को देखते हुए बचाव कमान ने घटनास्थल के 1 किलोमीटर के दायरे को 'कोर रेस्क्यू जोन' (मुख्य बचाव क्षेत्र) और 3 किलोमीटर के दायरे को 'कंट्रोल जोन' (नियंत्रण क्षेत्र) घोषित कर दिया है। एहतियात के तौर पर इस खतरनाक इलाके में रहने वाले सभी स्थानीय निवासियों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। किसी अन्य हादसे को रोकने के लिए बचाव दलों ने पूरी फैक्ट्री के चारों ओर आइसोलेशन बेल्ट और फायरब्रेक बना दिए हैं। इसके साथ ही बचे हुए बारूद के खतरे को खत्म करने के लिए लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के लिए महिला उम्मीदवार का चीन ने किया समर्थन, चयन प्रक्रिया शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के रूप में एक महिला के चुनाव का समर्थन किया है। इसके साथ कहा कि वैश्विक संस्था के नेतृत्व में एक महिला नेता को देखकर बहुत खुशी होगी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्षों के इतिहास में कभी भी किसी महिला नेता ने नेतृत्व नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में अगले प्रमुख के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

दो महिला उम्मीदवार कौन हैं? : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट और संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सहित दो महिलाएं विश्व के शीर्ष राजनयिक के पद के लिए



दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से हैं।

80 साल में एक भी महिला महासचिव नहीं : संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत फू कोंग ने सोमवार को यहां कहा, 'हमें एक महिला महासचिव को देखकर खुशी होगी। 80 साल हो गए हैं, इसलिए अगर हमें एक महिला महासचिव मिल जाए तो चीन को बहुत खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल भी संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक समाज के व्यापक संवादात्मक संवादों के दौरान अगले महासचिव के पद के लिए उनके दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष पद के लिए वे सबसे अच्छे विकल्प क्यों हैं? इस बारे में सवालों का सामना करना पड़ा।

मजबूत महासचिव की जरूरत- चीन : जब उनसे पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए चार नामांकित व्यक्तियों में से चीन का कोई पसंदीदा उम्मीदवार है, तो मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे फू ने पिछले सप्ताह कहा, 'अगर होता, तो मैं आपको नहीं बताता।' उन्होंने कहा कि बीजिंग के पास अगले महासचिव के लिए कुछ मानदंड हैं। यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र एक बहुत ही नाजुक मोड़ पर है और एक मजबूत महासचिव की आवश्यकता है , जो वास्तव में बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध हो, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हो और किसी एक महाशक्ति की नीतियों के साथ बहुत अधिक जुड़ा हुआ न हो।

भारतीय अमेरिकियों ने बंगाल में भाजपा की जीत का किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय अमेरिकी नेताओं ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक जनादेश' और राज्य में शासन, सुरक्षा और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है। प्रख्यात भारतीय अमेरिकी डॉ. भरत बराई ने इस परिणाम को 'पश्चिम बंगाल की जनता के लिए एक बड़ी जीत' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने 'राज्य के सभी संसाधनों का उपयोग करके एक माफिया साम्राज्य को बढ़ावा दिया।' उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बलात्कार, आगजनी, हत्या जैसी धमकियों से धमकाया और उन्हें मतदान करने से रोका। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'टीएमसी के गुंडों ने ईवीएम पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए मतदान बटनों को टेप से ढक दिया और ब्लॉक कर दिया। 'पश्चिम बंगाल में आतंक के शासन' से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है।

ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) के अध्यक्ष डॉ. अदापा प्रसाद ने बंगाल और विशेष रूप से असम की जनता को भाजपा की बंगाल में ऐतिहासिक और असम में शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने पुडुचेरी में भी बड़ी जीत हासिल की और केरल में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त किए, जबकि तमिलनाडु में सीटों की संख्या में यथास्थिति बनाए रखी।

डॉ. अदापा प्रसाद ने कहा कि इस परिणाम के व्यापक निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा की बंगाल में जीत भारत की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बंगाल के बुरे दिन अब समाप्त हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने '50 वर्षों तक बेरोकटोक गुंडागर्दी, जबरन वसूली, हिंसा, घुसपैठ, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, उद्योगों की हानि और अन्य समस्याओं का सामना किया है। ओएफबीजेपी-यूएसए के महासचिव डॉ. वासुदेव पटेल ने राज्य के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'पूर्व में स्थित भारत का यह सीमावर्ती राज्य राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि संगठन संयुक्त राज्य अमेरिका भर में विजय समारोह आयोजित करने की योजना बना रहा है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील बसु-रे ने कहा कि दशकों के शासन के कारण 'पूर्ण औद्योगीकरण का पतन, व्यापक बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी और बुनियादी संसाधनों की कमी' के साथ-साथ 'अपराध की अत्यधिक मात्रा' भी हुई है, जिसमें एक आपराधिक गिरोह सड़कों पर राज कर रहा है।उन्होंने कहा, 'देशभक्त बंगालियों के 50 वर्षों से अधिक के संघर्ष के बाद बंगाल में भाजपा की शानदार जीत हासिल हुई है।' उन्होंने आगे कहा कि यह क्षण 'बंगाल की गरिमा को पुनः प्राप्त करने और उसकी आध्यात्मिक गौरव को फिर से स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है।'

उन्होंने कहा, 'यह ऐतिहासिक जनादेश जनता के विश्वास, आकांक्षाओं और मजबूत शासन, विकास और सांस्कृतिक गौरव की इच्छा को दर्शाता है। एआईटीसी के अप्रभावी और अक्षम शासन का अंत बंगाल के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।

वेंस का काफिला गुजरते ही चली गोलियां: व्हाइट हाउस के पास एक हथियारबंद व्यक्ति ने की गोलीबारी; लगा लॉक डाउन

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब व्हाइट हाउस के पास अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। एक हथियारबंद व्यक्ति और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों के बीच हुई इस भयंकर गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस को सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए पूरी तरह से लॉक डाउन कर दिया गया। यह घटना वाशिंगटन स्मारक के पास ठीक उस समय हुई जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का काफिला वहां से गुजर रहा था।

सोमवार को अमेरिकी समयानुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे 15वीं स्ट्रीट एसडब्ल्यू और इंडिपेंडेंस एवेन्यू एसडब्ल्यू के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार के साथ देखा गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डिप्टी डायरेक्टर मैथ्यू सी. क्विन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी इलाके में लगातार गश्त कर रहे सादे कपड़ों वाले एजेंटों ने एक ऐसे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास बंदूक थी। जब वर्दीधारी अधिकारी उस संदिग्ध व्यक्ति के पास पहुंचे, तो उसने मौके से पैदल भागने की कोशिश की और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों पर सीधे गोलियां चला दीं।

क्या सीक्रेट सर्विस की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध को लगी गोली : संदिग्ध व्यक्ति के अचानक हमला करने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उस पर गोलियां चलाईं। इस पुलिसिया फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति घायल हो गया, जिसे फौरन हिरासत में लेकर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारी क्विन ने बताया कि इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति द्वारा चलाई गई एक गोली पास में मौजूद एक नाबालिग को भी लग गई। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि नाबालिग की जान को कोई खतरा नहीं है और उसकी चोटें जानलेवा



नहीं हैं। क्या यह हमला मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर किया गया था? घटना के तुरंत बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि इस हथियारबंद व्यक्ति का असली निशाना आखिर कौन था। क्या वह उपराष्ट्रपति या मौजदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला करना चाहता था? इस पर डिप्टी डायरेक्टर क्विन ने स्पष्ट किया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि बंदूकधारी का निशाना कौन था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम 24 घंटे इस इलाके में पूरी मुस्तैदी से गश्त करती है। यह हमला मौजदा अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर निर्देशित था या नहीं, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है और जल्द ही सच सामने आ जाएगा।

गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद लोगों का क्या हाल था : गोलीबारी शुरू होते ही दोपहर करीब 3:45 बजे सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन से मीडियाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित ब्रीफिंग रूम में पहुंचा दिया। वरमोंट से व्हाइट हाउस घूमने आए 21 वर्षीय रयान नेफ और उनकी मां अमांडा नेफ ने बताया कि वे तस्वीरें ले रहे थे, तभी उन्होंने उपराष्ट्रपति वेंस का काफिला गुजरते देखा। रयान के मुताबिक, इसके तुरंत बाद पांच-छह गोलियों की तेज आवाजें आईं। इलाके की हर पुलिस और हर गाड़ी उसी दिशा में तेजी से भागने लगी। लोग पूरी तरह से भ्रम और खौफ में थे। घटना के बाद डीसी पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और कई घंटों तक सड़कों को बंद रखा।

डिप्रेशन भगाएँ प्राणायाम से

हेल्थ प्लस

'डिप्रेशन' यानी नैराश्य, यानी मन और मानस का असहयोग, यानी प्रकृति से तादात्म्य न हो पाना या जीवन से आस्था उठ जाना। डिप्रेशन यानी जीने का नकारात्मक रवैया, स्वयं से अनुकूलन में असमर्थता आदि। जब ऐसा हो जाए तो उस व्यक्ति विशेष के लिए सुख, शांति, सफलता, खुशी यहाँ तक कि संबंध तक बेमानी हो जाते हैं। उसे सर्वत्र निराशा, तनाव, अशांति, अरुचि का ही आभास होता है।

यदि ऐसा क्षणिक हो तो उसे स्वाभाविक या व्यावहारिक मानना होगा, किंतु यह मन:स्थिति और मानसिकता अगर सतत बनी रहे तो परिणाम निश्चित तौर पर घातक होंगे। यह प्रतिकूलता व्याधि और विकृति को जन्म देगी। जीवन तक को नकार सकता है ऐसा व्यक्ति। पहले समाज, फिर परिवार और अंत में स्वयं से कटने लगता है वह।

'डिप्रेशन' का कारण वातावरण परिस्थिति, स्वास्थ्य, सामर्थ्य, संबंध या किसी घटनाक्रम से जुड़ा हो सकता है। शुरुआत में व्यक्ति को खुद नहीं मालूम होता, किंतु उसके व्यवहार और स्वभाव में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगता है। कई बार अतिरिक्त चिड़चिड़ापन, अहंकार, कटुता या आक्रामकता अथवा नास्तिकता, अनास्था और अपराध अथवा एकांत की प्रवृत्ति पनपने लगती है या फिर व्यक्ति नशे की ओर उन्मुख होने लगता है।

ऐसे में जरूरी है कि हम किसी मनोचिकित्सक से संपर्क करें। व्यक्ति को खुशहाल वातावरण दें। उसे अकेला न छोड़ें तथा छिन्द्रान्वेषणकतई न करें। उसकी रुचियों को प्रोत्साहित कर, उसमें आत्मविश्वास जगाएँ और कारण जानने का प्रयत्न करें।

मैत्रीपूर्ण वातावरण में प्रभावोत्पादक तरीके से जीवन की सच्चाई उसके सामने रखें और आत्मीयता से उसे 'प्राणायाम' के लिए राजी करें। सर्वप्रथम पदमासन करवाएँ। फिर प्राणायाम के छोटे-छोटे आवर्तन करवाएँ। बीच में गहरी श्वास लेने दें। आप देखेंगे 'डिप्रेशन' घटता जा रहा है। चित्त शांत हो रहा है। नाड़ीशोधन प्रा णायाम के पश्चात ग्रीष्मकाल में 'शीतली' और शीतकाल में सावधानी से 'मस्त्रिका' प्राणायाम करवाएँ।

प्राणायाम के दो आवर्तनों के पश्चात नाद करवा दें। प्रथम स्तर पर 'ओ' दीर्घ करवाएँ, जिससे ग्रीवा के अंदरूनी स्नायु कंपन, लय और बल पाकर सहज हों। तत्पश्चात 'ओ' लघु से दीर्घनाद करवाएँ। इसके कंपन मस्तिष्क, अधर-ओष्ठ और तालू को प्रभावित करेंगे। अनुभूत आनंद से चेहरे के खिंचाव और तनाव की स्थिति स्वत: जाती रहेगी। यदि ऐसा होने लगे तो समझिए आप कामयाब हो रहे हैं अपने 'मिशन' में। इसके बाद थोड़ा विश्राम। फिर श्वासन। अनिद्रा जनित 'डिप्रेशन' का रोगी ऐसे में सोना चाहता है। उसे भरपूर नींद ले लेने दें।

ये प्रक्रियागत परिणाम तुरंत प्राप्त होते हैं। इनके दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए प्रयत्न में निरंतरता रखी जानी अनिवार्य है। सदैव अनुभवसिद्ध योग विशेषज्ञ ही से संपर्क किया जाना चाहिए।

चायनीज स्वास्थ्य के लिए हानिकारक



चायनीज खाने के शौकीनों के लिए यह बुरी खबर है। अमेरिका में किए गए परीक्षणों में चाइनीज खाने को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है, क्योंकि इनमें सोडियम की मात्रा ज्यादा और कैलोरी की मात्रा कम होती है। इनसे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुँचने का अंदेशा बताया गया है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट में चाइनीज सॉस चिकन का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि एक औसत युवा व्यक्ति को दिनभर में जितनी कैलोरी की जरूरत होती है, उससे केवल आधी कैलोरी इसमें होती है। इसमें सोडियम की मात्रा भी 40 प्रतिशत ज्यादा होती है, जो चिंताजनक बात है।

इसके अलावा सब्जी और बटरयुक्त फ्राइड चिकन में 1300 कैलोरी, 3200 मिलीग्राम सोडियम और 11 ग्राम सैचुरेटेड फेट होता है। सेंटर फॉर साइंड इन पब्लिक इंटरस्ट के डायरेक्टर बोनी लिबमैन कहते हैं कि हमारी रिपोर्ट सारा दोष चाइनीज भोजन को नहीं देती है, लेकिन जो हकीकत है वह हम बता रहे हैं।

हृदय रोग और टमाटर

टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए

लाल-लाल टमाटर किसे नहीं भाता? खट्टे-मीठे स्वाद वाले टमाटर के बारे में यह विवाद रहा है कि यह फल है या सब्जी? पर चाहे जो भी हो सारे विश्व में लोग इसके दीवाने रहे हैं। और दीवाने क्यों न हों? इसमें रुप और स्वाद के साथ-साथ अनेक गुण भी तो मौजूद हैं।



योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं। अध्ययन में शामिल अधिकांश लोग प्रौढ़ावस्था के थे और उनमें से 662 को दिल का दौरा पड़ चुका था। अध्ययन के अंतर्गत शरीर में लाइकोपीन की उपस्थिति की मात्रा का आकलन किया गया था।

योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं।

बीटा केरोटीन की तरह लाइकोपीन भी वसा में घुलने वाला पदार्थ है, जो आँतों में सोखा जाता है। लाइकोपीन की सुरक्षा क्रिया इसके प्रभावशाली ऑक्सीकरण रोधक के रूप में है, जिससे फ्री रेडिकलों के द्वारा कोशिकाओं, अणुओं और जीन्स की क्षति रुकती है। फ्री रेडिकल्स अत्यधिक प्रतिक्रियात्मक अणु हैं, जो रक्त प्रवाह में अन्य पदार्थों से मिलकर हानि पहुँचाते हैं।

उदाहरण के लिए इनमें कोलेस्टरोलिमोआ धमनियों में जम जाता है और आघात का कारण बन सकता है। यह जेनेटिक परिवर्तन करके कैंसर उत्पन्न कर सकता है। फ्री रेडिकल क्षति से सूर्य प्रकाश के कारण होने वाला कैंसर अथवा ओजोन जैसे प्रदूषण में साँस लेने से फेफड़ों की बीमारियाँ हो सकती हैं। अब प्रदूषण भरे वातावरण से बचना हो या हृदय रोग को दूर रखना हो या कोलेस्ट्राल से बचना हो तो खूब टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए।

घरेलू नुस्खे : अवश्य आजमाएँ



- दाड़ में दर्द हो तो लौंग का तेल लगाने से दर्द समाप्त होगा।
- तेज सिरदर्द होने पर पीपरमेंट गर्म करके सिर पर लगाने से आराम मिलता है।
- हिचकी आने पर तुलसी व शकर खाकर पानी पीने से लाभ होगा।
- मुँह में छाले होने पर नारियल खाने से छाले शीघ्र ठीक हो जाते हैं।
- भूख नहीं लगती है तो सौंफ के चूर्ण में शहद मिलाकर दिन में दो बार एक-एक चम्मच खाएँ।
- मसूड़े फूल जाने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर अहिस्ता-आहिस्ता मसूड़ों पर मसाज करने से तकलीफ खत्म हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा के लिए कैसी हो डाइट

उचित आहार चमकती त्वचा का राज



इसमें कोई दो राय नहीं है कि एक संतुलित डाइट न केवल आपके सेहत के लिए लाभप्रद है बल्कि यह आपके स्किन के लिए फायदेमंद है। एक तनावपूर्ण जिंदगी और एक उचित डाइट की कमी के कारण आपकी त्वचा रूखी हो जाती है और कई त्वचा की परेशानियाँ उत्पन्न होने लगती हैं जैसे रैशेज, रूखापन, आँखों के नीचे काले घेरे और मुँहासे आदि।

वैसे अन्य कई कारण भी हैं जो हमारी त्वचा को नुकसान पहुँचाते हैं। हार्मोनल परिवर्तन, जेनेटिक समस्या और गर्भावस्था के समय भी हमारे स्किन को प्रभावित करती हैं।

लेकिन 70 प्रतिशत से अधिक परिस्थितियों में अस्वस्थ त्वचा के लिए अनुचित डाइट ही उत्तरदायी होता है। वैसे तो विभिन्न प्रकार की त्वचा के लिए विभिन्न डाइट्स की जरूरत होती है। लेकिन एक स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक चीजों की सूची निम्नलिखित है:

- आपको अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। क्योंकि पानी ही स्किन के लिए एक सर्वश्रेष्ठ औषधि है। यह न केवल आपको रिफ्रेंश करता है बल्कि आपकी त्वचा को एक अद्भूत चमक प्रदान करता है।
- जिस तरह हमारे शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत है ठीक उसी तरह हमारे स्किन के लिए विटामिन की आवश्यकता है। कुछ विटामिन के नाम निम्नलिखित है जो आपकी त्वचा की चमक को बरकरार रखने में मदद करता है...

1. विटामिन सी : यह सभी रसदार फलों में पाया जाता है जैसे संतरा, नींबू, मौसंबी

2. विटामिन ए : इसके प्रमुख स्रोत हैं- पपीता, संतरा, एगयॉर्क

3. विटामिन बी : यह फलों सहित सभी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाता है।

4. विटामिन ई : यह मूँगफली, और अन्य आइल सीड्स में पाया जाता है।

एक स्वस्थ स्किन को बनाए रखना इतना मुश्किल नहीं है। बस जरूरत है तो स्किन का ध्यान रखने की, और अपने खाने में सभी जरूरी तत्वों को शामिल करने की। आप एक डाइट स्पेशलिस्ट के पास जा सकते हैं और अपने लिए एक संतुलित डाइट चार्ट भी बनवा सकते हैं।

लू से बचने के घरेलू उपाय



असरकारी घरेलू नुस्खे

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।

घर में बनाएँ दर्दनाशक तेल

तुरंत आराम के लिए घरेलू दर्दनाशक तेल

शरीर के किसी भी हिस्से में कई बार दर्द का अहसास होता है। अधिकतर लोग पेन किलर लेकर दर्द को भगाने की कोशिश करते हैं।

पेन किलर हानिकारक भी हो सकती हैं, इनका सेवन न ही करें तो अच्छा है। वैसे दर्द दूर करने के लिए आप घर पर ही दर्दनिवारक तेल बना सकते हैं, तेल बनाने की विधि इस प्रकार है-

एक साफ काँच की शीशी में 50 ग्राम तारपीन का तेल और 20 ग्राम कपूर डालकर ढक्कन बंद कर दें और धूप में रखें। दिन में दो-तीन बार बोतल को हिला दें, ताकि कपूर पिघल जाए।

एक बर्तन में सरसों का तेल 50 ग्राम, कुटा हुआ लहसुन पेस्ट एक बड़ा चम्मच तथा छोटा आधा चम्मच सेंधा नमक डालकर धीमी आँच पर इतनी देर तक गरम करें कि लहसुन काला पड़ जाए। इसे ठंडा कर छान लें व शीशी में रख लें।



एक अन्य तीसरी शीशी में अजवायन का सत, कपूर और पोदीने का सत तीनों एक-एक छोटा चम्मच डालकर रखें। जब तीनों पिघल जाएँ तो इसमें एक छोटा चम्मच नीलगिरि का तेल डालकर हिलाएँ।

इस तरह तीनों तेल अलग-अलग तैयार करें व मिला लें तथा एक बड़ी शीशी में भर लें। तेल तैयार है, शरीर में कहीं भी दर्द हो तो इस तेल की मालिश से वह दूर हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

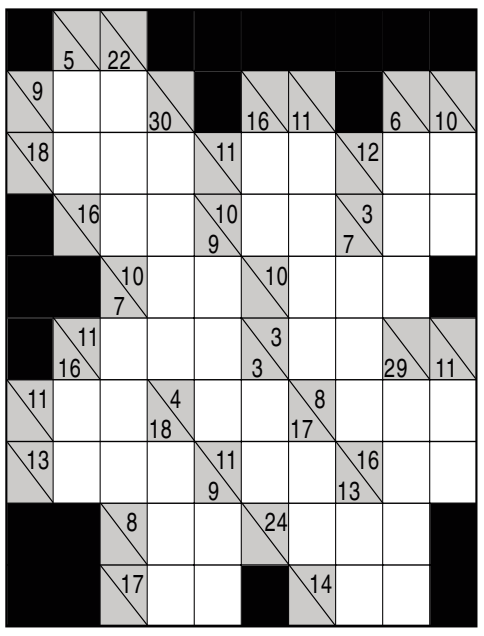
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

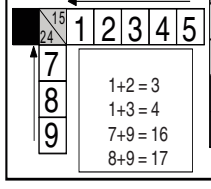
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - :4046

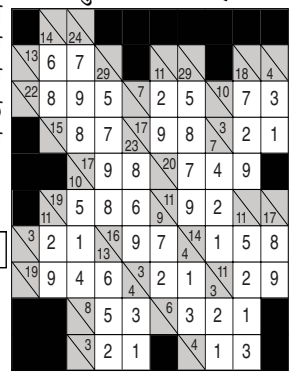


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो -4045 का हल



लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

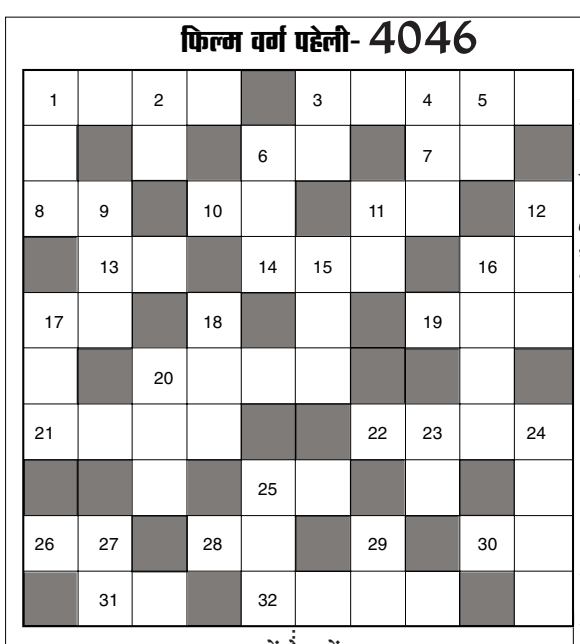
टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4046



ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली-4045

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झी	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़
	त	ला	श		ई		रि	ह्म	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		रा	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु 4046

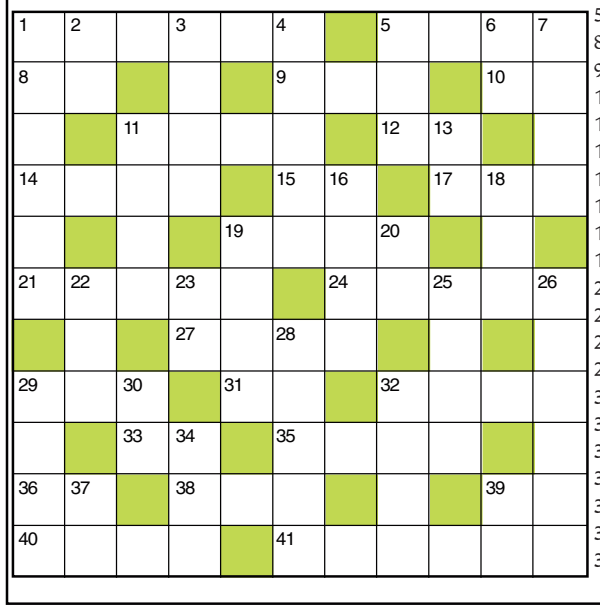
	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6			4045	3	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2456 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली -4046



बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -4045 का हल

	ब	ल	शा	ली		रु	ख	सा	र	
अ	न		ली		प	त	न		जा	न
न		ज	मा	दा	र		न	म		फा
म	ग	रु	र			आ		द	र	स
ना		र		अ	ज	ग	र		वा	त
	भि	त	वा		ही		स	प	ना	
म	ल		दा	वा	न	ल		रा		फि
त	न	य		ल			ह	ज	र	त
ल		म	त		का	र्या	ल	य		र
बी	ज		म	का	न		च		सा	त
	य	ल	गा	र		ब	ल	शा	ली	

जम्मू-कश्मीर में फर्जी नियुक्ति घोटाला, स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में फर्जीवाड़े और अवैध नियुक्तियों के लंबित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने स्वास्थ्य विभाग के एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच जम्मू के अधिकारियों के मुताबिक, आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। यह गिरफ्तारी वर्ष 2017 में दर्ज एफआईआर के तहत की गई है। यह मामला पहले पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच कश्मीर में दर्ज था, जिसे अब ईओडब्ल्यू कश्मीर के रूप में नामित किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान श्रीनगर के टंकीपोरा, शहीद गंज निवासी शहनवाज अहमद मीर के रूप में हुई है, जो स्वास्थ्य विभाग में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है। यह पूरा मामला तब सामने आया जब कश्मीर के डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज की ओर से एक शिकायत मिली। इसमें बताया गया था कि बडगाम के मझामा निवासी बशीर अहमद सोफी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए हेल्थ एजुकेटर के पद पर नियुक्ति हासिल की थी। आरोप है कि उसने नकली ट्रांसफर ऑर्डर और फर्जी 'लास्ट पे सर्टिफिकेट' प्रस्तुत कर सरकारी नौकरी पाई। जांच में सामने आया कि बशीर अहमद सोफी ने बारामुला के ब्लॉक शीरी में अवैध रूप से नौकरी हासिल की और लंबे समय तक वेतन भी लिया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा।

मप्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए एनएचएम और सनोफी इंडिया के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने मध्य प्रदेश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सनोफी इंडिया लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य मधुमेह जैसे गैर-संचारी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनकी शीघ्र पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करना और दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों को बेहतर सहयोग प्रदान करना है। एमओयू पर एनएचएम मध्य प्रदेश की मिशन डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना और सनोफी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक अरोड़ा द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, आयुक्त धनराजू एस सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे। एनएचएम एमडी डॉ. सलोनी सिडाना ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल विशेष रूप से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत करेगी। उन्होंने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से लोगों को उनके क्षेत्र में ही निःशुल्क जांच, उपचार और डॉक्टरों से टेली-परामर्श की सुविधा मिलेगी।

मध्य प्रदेश के तवा जलाशय में दिखे लुप्तप्राय इंडियन स्किमर पक्षी

भोपाल। मध्य प्रदेश के तवा जलाशय में लुप्तप्राय पक्षी इंडियन स्किमर (Rynchops albicollis) की मौजूदगी दर्ज की गई है। बोट गश्ती के दौरान वन विभाग के स्टाफ को कुल 8 इंडियन स्कीमर दिखाई पड़े, जिनकी तस्वीर मढ़ई रेंजर द्वारा ली गई है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व बाघों का उत्कृष्ट प्राकृतिक आवास (हैबिटेट) माना जाता है। इसी रिजर्व में स्थित तवा जलाशय में इंडियन स्कीमर की उपस्थिति से यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए एक आदर्श और सुरक्षित आवास के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि इंडियन स्किमर भारत के अत्यंत संकटग्रस्त नदी-आधारित पक्षियों में शामिल है, जिसकी संख्या लगातार घट रही है। यह पक्षी अपनी विशिष्ट लंबी निचली चोंच के लिए जाना जाता है, जिसके माध्यम से यह पानी की सतह को चीरते हुए मछलियों का शिकार करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रजाति केवल स्वच्छ जल, प्रचुर मछली संसाधन और निर्बाध रेतीले तटों वाले क्षेत्रों में ही अपना आवास बनाती है। इस लुप्तप्राय पक्षी की उपस्थिति से सतपुड़ा को विशिष्ट पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री मान सहित आआपा विधायकों का राष्ट्रपति भवन का दौरा महज जनता का ध्यान भटकाने का ड्रामा है : तरुण चुघ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा विधायकों के साथ राष्ट्रपति से मिलने के कार्यक्रम को 'राजनीतिक नाटक' करार देते हुए कहा कि यह केवल जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जब सरकार के पास जवाब नहीं होते, तब वह ऐसे दिखावटी कदम उठाती है। चुघ ने कहा कि पंजाब की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक है। कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं मिल रहा, डीए की किस्त लंबित है और करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सफाई व्यवस्था बदहाल है। राज्य के शहरों में कूड़े के ढेर सरकार की विफलता की गवाही दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब आज रिश्वतखोरी, रंगदारी और उगाही के जाल में फंस चुका है। नशे की समस्या लगातार बढ़ रही है और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा आज तक पूरा नहीं हुआ, जबकि कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आता।



जालंधर में बीएसएफ चौक के पास स्कूटी में विस्फोट के बाद लगी आग, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

जालंधर। पंजाब के जालंधर में बीएसएफ चौक के पास शाम को एक्टिवा स्कूटी में विस्फोट होने की खबर सामने आई। बताया जा रहा है कि इसके बाद एक्टिवा में आग लग गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं, एक्टिवा पर सवार दो लोग पुलिस के पास मौजूद हैं और जांच में सहयोग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया। फिलहाल, धमाके के कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बताया, हमारी पेट्रोलिंग टीम मौके पर मौजूद थी। उसी दौरान गेट के पास खड़ी एक एक्टिवा में अचानक आग लग गई। जिस



युवक के पास यह एक्टिवा थी, वह फिलहाल हमारे साथ है और जांच में सहयोग कर रहा है।'' इस घटना को लेकर पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वरिंग ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि बीएसएफ मुख्यालय के पास इस तरह का धमाका बेहद चिंताजनक है और यह कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है और इस तरह की घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। वरिंग ने आरोप लगाया कि राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान देने में विफल रही हैं। लोगों को सुरक्षा चाहिए, न कि राजनीतिक दिखावा। पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जालंधर में हुआ विस्फोट बेहद चिंताजनक है। इस तरह की घटनाएं सुरक्षा और सतर्कता में गंभीर कमियों की ओर इशारा करती हैं। सरकार को घटना घटने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय, लोगों की सुरक्षा और जनता का विश्वास बहाल करने के लिए सक्रिय और ठोस कदम उठाने चाहिए। वहीं, पंजाब भाजपा के महासचिव परमिंदर सिंह बराड़ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के पास हुआ विस्फोट पंजाब में चरमराती कानून व्यवस्था की भयावह याद दिलाता है। भीड़भाड़ वाले इलाके में डिलीवरी स्कूटी का विस्फोट दिखाता है कि सार्वजनिक स्थान कितने खतरनाक रूप से असुरक्षित हो गए हैं। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो फ्लाइट में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी

चंडीगढ़। हैदराबाद से चंडीगढ़ जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में आग लग गई। यह घटना विमान के लैंडिंग के बाद हुई, जब विमान जमीन पर खड़ा था। सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से टर्मिनल तक पहुंचाया गया। यह घटना फ्लाइट 6ई 108 में हुई, जब विमान ग्राउंड पर था। केबिन क्रू ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को संभाल लिया और किसी भी प्रकार का नुकसान होने से टाल दिया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बयान में कहा, '5 मई 2026 को हैदराबाद से चंडीगढ़ जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 108 के लैंडिंग के बाद, एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में आग लगने की सूचना मिली। ' एयरलाइन ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत इवैक्यूएशन किया गया और सभी संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।प्रवक्ता ने कहा, 'सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से टर्मिनल तक पहुंचा दिया गया है और उनकी देखभाल की जा रही है। विमान को दोबारा सेवा में लाने से पहले आवश्यक जांच की जाएगी। इंडिगो में यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ' इससे पहले मार्च के अंत में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर एक इंडिगो फ्लाइट में हवा में तकनीकी खराबी आने के बाद फुल इमरजेंसी घोषित की गई थी, जिसमें विमान का एक इंजन फेल हो गया था।

हार के बाद भी ममता बनर्जी का इस्तीफा देने से इनकार, अब 'इंडिया' को करेंगी मजबूत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की बड़ी हार के एक दिन बाद, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और एनडीए सरकार के खिलाफ आंदोलन संगठित करने के लिए इंडिया ब्लॉक को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह राज्यपाल को खुद से इस्तीफा नहीं देंगी। ममता बनर्जी के अनुसार, इस बार तृणमूल कांग्रेस की हार असल में हार नहीं है, क्योंकि परिणाम जनता के वास्तविक जनादेश को नहीं दर्शाते। उन्होंने कहा, ''मैं अभी इस्तीफा क्यों दूं? हम असल में हारे नहीं हैं। ये परिणाम बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और वोट लूट का नतीजा हैं। इसलिए इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता।'' ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने भतीजे और तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी समेत कई कैबिनेट सदस्यों के साथ मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि नतीजे आने के बाद उन्हें इंडिया ब्लॉक के कई बड़े नेताओं से समर्थन के फोन आए। उनके अनुसार, सोनिया गांधी, राहुल



गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं ने उनसे बात कर समर्थन का भरोसा दिया। ममता बनर्जी ने कहा, ''आने वाले दिनों में इंडिया ब्लॉक और मजबूत होगा। अखिलेश मिलने आना चाहते थे, मैंने उन्हें बुधवार को आने को कहा है। सभी नेता एक-एक करके मिलेंगे और हम विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की असली लड़ाई भाजपा से नहीं बल्कि चुनाव आयोग से थी।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारी असली लड़ाई भाजपा से नहीं थी। चुनाव आयोग इस बार मुख्य विलेन था और उसने काला इतिहास रचा। पहले एसआईआर के जरिए लोगों का वोट देने का अधिकार छीना गया। फिर चुनाव से पहले हमारे नेताओं पर छापे मारे गए और अधिकारियों को बदला गया। भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत थी। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इस साजिश में सीधे शामिल थे।''

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि सोमवार को मतगणना केंद्र पर उम्मीदवार के रूप में पहुंचने पर उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ और उन्हें धक्का भी दिया गया।

टीवीके ने तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया, बहुमत साबित करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा

एजेंसी

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने विधानसभा चुनावों में 108 सीटों पर जीत कर तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया है। 234 सदस्यीय विधानसभा में किसी भी पार्टी को बहुमत का आंकड़ा 118 नहीं मिला, जिससे राज्य राजनीतिक अनिश्चितता और गहन वार्ताओं के दौर में प्रवेश कर चुका है। चुनाव में अपने मजबूत प्रदर्शन के आधार पर टीवीके ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से संपर्क किया और सरकार बनाने के अपने अधिकार का दावा करते हुए सदन में अपना बहुमत साबित करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। इस घटनाक्रम ने संभावित गठबंधनों को लेकर अटकलों को हवा दी है, क्योंकि टीवीके बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें पीछे है। अब ध्यान इस बात पर केंद्रित हो गया है कि कौन सी पार्टी या निर्दलीय उम्मीदवार विजय की पार्टी को समर्थन दे सकते हैं, जिससे वह एक स्थिर सरकार बना सके। इस बीच कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी



गिरीश चोडंकर ने कहा कि चुनाव परिणाम जनता की बदलाव की स्पष्ट इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि लोगों ने बदलाव के लिए मतदान किया है। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में टीवीके का समर्थन किया है। हम जनता के फैसले का सम्मान करते हैं। चोडंकर ने आगे कहा कि तमिलनाडु चुनाव परिणामों पर एक विस्तृत रिपोर्ट कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व को सौंप दी गई है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में आगे की कार्रवाई नेतृत्व द्वारा सामूहिक रूप से तय की जाएगी। ' चोडंकर ने यह भी संकेत दिया कि यदि स्थिति की मांग हुई तो कई कांग्रेस नेता समर्थन देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'टीवीके द्वारा अपने विधायक दल के नेता का चुनाव हो जाने के बाद वे हमसे संपर्क कर सकते हैं। किसी को भी टीवीके को कम नहीं आंकना चाहिए। ' संख्या का खेल अब केंद्र में आ गया है, और सभी की निगाहें राज्यपाल के अगले कदम और उभरते राजनीतिक गठबंधनों पर टिकी हैं, जो यह तय करेंगे कि तमिलनाडु में अगली सरकार कौन बनाएगा।

राजसमंद में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी 20 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

राजसमंद। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के खमनोर पंचायत समिति अंतर्गत पीएमश्री स्कूल, गांवगुडा तथा गौणमंडी परिसर, रेलमगरा पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र के लिए 20 करोड़ 76 लाख रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर आमजन को महत्वपूर्ण सौगात दी। इस अवसर पर राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, एसपी हेमंत कलाल, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा आदि मौजूद रहे। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ के नेतृत्व में जगह-जगह उप मुख्यमंत्री का स्वागत हुआ। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शिक्षा, सड़क, धार्मिक एवं खेल सुविधाओं के



विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। गांवगुडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, जो डीएमएफटी योजना के तहत 3 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित हुआ है। इसके साथ ही टी-10 केसुली से एनएच-162ई तक सेमल व उनवास होते हुए 8.50 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य, जिसकी लागत 6 करोड़ 78 लाख रुपये है, का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत गांवगुडा क्षेत्र में 1.50 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य, जिसकी लागत 30 लाख रुपये है, का भी लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त महादेव मंदिर से श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य, जिसकी लागत 20 लाख रुपये है, का शिलान्यास किया गया। इन कार्यों से गांवगुडा सहित आसपास के क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा सुविधाओं और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। रेलमगरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने टी-08 नाथद्वारा से रेलमगरा मार्ग के 11 किलोमीटर हिस्से के सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, जो पीएमजीएसवाई-III योजना के तहत 7 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुआ है।

रिहायशी मकान में भीषण आग, 9 लोगों का रेस्क्यू, कोई जनहानि नहीं

एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद कमिश्नरेट क्षेत्र के इंदिरापुरम स्थित नीति खंड-2 में दोपहर एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना 5 मई को करीब 1:30 बजे फायर स्टेशन वैशाली को 112 सिस्टम के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद और प्रभारी अग्निशमन अधिकारी वैशाली अपनी टीम के साथ तुरंत मौके के लिए रवाना हुए। जब दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची तो प्लॉट नंबर-495, नीति खंड-2 के भूतल पर आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग की तीव्रता को देखते हुए तुरंत होज पाइप बिछाकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए वैशाली फायर स्टेशन से 22,000 लीटर और 14,000 लीटर क्षमता वाले दो वाटर बाउजर तथा साहिबाबाद से एक अतिरिक्त फायर टेंडर भी मौके पर बुलाया गया। आग के बीच मकान के अंदर फंसे लोगों को निकालना बेहद चुनौतीपूर्ण था। दमकल कर्मियों ने जोखिम उठाते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद कुल 9 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बचाए गए लोगों में छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। इनमें 3 वर्षीय सनी, 7 वर्षीय कार्वीक, 11 वर्षीय गुन्नू, 39 वर्षीय पूजा गुप्ता, 37 वर्षीय नेहा गुप्ता, 42 वर्षीय सीमा, 75 वर्षीय जेपी गुप्ता, 75 वर्षीय प्रभा गुप्ता और 45 वर्षीय शरद शामिल हैं। आग के दौरान मकान में रखे 2 छोटे और 1 बड़ा गैस सिलेंडर फटने से स्थिति और भयावह हो गई थी। इसके बावजूद दमकल विभाग की टीम ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर काबू पा लिया और आसपास के घरों को भी सुरक्षित बचा लिया। मौके पर खड़ी 5 मोटरसाइकिल और 3 साइकिलों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया। इस घटना में राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के चलते एक बड़ा हादसा टल गया।

किसानों से संवाद और जल संरक्षण को लेकर होंगे विशेष कार्यक्रम : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिमी राजस्थान की जीवन रेखा गंग नहर के निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शताब्दी समारोह को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गंग नहर के शिवपुर हेड सहित सभी प्रमुख हेड रेगुलेटर्स पर नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, गंग नहर प्रणाली से जुड़े क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए पूरे वर्ष गतिविधियों का संचालन किया जाए। शताब्दी समारोह श्रृंखला के तहत नहर क्षेत्र की 12 अनाज मंडियों में किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम भी शामिल है। इनमें किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीक, ड्रिप सिस्टम और जल संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही नहरों की साफ-सफाई, उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल उपयोगकर्ता संगठनों के अध्यक्षों का सम्मान एवं जन जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके अलावा, साइकिल



रैली, जल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि गंग नहर शताब्दी समारोह जनभागीदारी और जागरुकता का व्यापक अभियान बन सके। उल्लेखनीय है कि 5 दिसम्बर 1925 को महाराजा गंगासिंह द्वारा गंगनहर का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया था तथा 26 अक्टूबर 1927 को गंगनहर की शिवपुर हेड में पहली बार पानी आया था। इसी उपलक्ष्य में 26 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल में सौमित्र मोहन होंगे राज्यपाल के सचिव, नियुक्ति पर लगी मुहर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आईएएस अधिकारी सौमित्र मोहन की राज्यपाल के सचिव के रूप में नियुक्ति पर मुहर लगा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, 2002 बैच के आईएएस अधिकारी सौमित्र मोहन को राज्यपाल आर.एन. रवि का सचिव नियुक्त किया गया है। यह फैसला विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद लिया गया, जिसे नई प्रशासनिक व्यवस्था की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। इस बारे में पश्चिम बंगाल सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गई। उक्त अधिसूचना के आधार पर नियुक्ति प्रभावी मानी गई है। सौमित्र मोहन राज्य के परिवहन विभाग में सचिव पद पर कार्यरत थे और उनके पास श्रम विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी था। अब उन्हें राज्यपाल सचिवालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद यह पहली बड़ी नियुक्ति है।

भाजपा ने लोकतंत्र का अपहरण कर उसे नष्ट कर दिया है: अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर लोकतंत्र का अपहरण करने और उसे नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने पंजाब के आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की उपस्थिति में कहा कि राज्य में चार साल सत्ता में रहने के बाद भी सत्ता समर्थक रुझान दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने वोटों की हेराफेरी और जोड़-तोड़, 'चोरी' की गई राज्यसभा सीटों और राज्य के हकों से वंचित करने के मामले में भाजपा पर तीखा हमला भी किया। राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने के बाद नई दिल्ली स्थित पंजाब के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास कपूरथला हाउस पहुंचे विधायकों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार बने चार साल हो गए हैं और चुनाव में अब 10 महीने बचे हैं। चुनाव से ठीक एक साल पहले सरकार की तारीफ करना बहुत कम देखने को मिलता है। आमतौर पर चार साल बाद लोग कहते हैं कि सत्ता विरोधी लहर जोरों पर है। लेकिन पंजाब में आप किसी



भी गांव या मोहल्ले में जाइए, आज वहां सत्ता विरोधी लहर नहीं है; बल्कि सत्ता समर्थक लहर है। लोग खुलकर और दिल से पंजाब सरकार की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है।

लोकतंत्र पर चिंता जताते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि पूरे देश में एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। भाजपा ने लोकतंत्र का अपहरण कर उसे नष्ट कर दिया है। चुनाव जीतने से भी उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीबीआई) जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं, धन बल का प्रयोग करते हैं, विधायकों की खरीद-फरोख्त करते हैं, पार्टियां तोड़ते हैं, सरकारें गिराते हैं, नेताओं को जेल भेजते हैं, वोटों को रद्द और दर्ज करवाते हैं। पश्चिम बंगाल में हाल ही में जो हुआ वह चुनाव नहीं था; हम महीनों से वहां यही सब होते देख रहे हैं। बिहार, महाराष्ट्र और यहां तक ??कि मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र नई दिल्ली में भी यही सब हुआ है।

केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में, मेरे जेल जाने से पहले 148,000 वोट थे, और जब मैं लौटा, तो केवल 106,000 वोट ही बचे थे। छह महीनों में लगभग 42,000 वोट रद्द कर दिए गए। मैंने पिछला चुनाव 30,000 वोटों से जीता था, लेकिन 42,000 वोटों के रद्द होने के बाद, मैं 3,000 वोटों से हार गया। जब सारे वोट रद्द हो जाएं तो कोई कैसे जीत सकता है? यह पूरे देश में हो रहा है और लोकतंत्र खतरे में है, वह लोकतंत्र जिसके लिए भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों जैसे हमारे शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री ने बीते चुनावों को याद करते हुए कहा कि 2014 को याद कीजिए जब नरेंद्र मोदी के पक्ष में लहर दौड़ रही थी।

जनता की शिकायतों के त्वरित और नागरिक-केंद्रित समाधान पर ध्यान केंद्रित: पंजाब डीजीपी

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने लुधियाना में ग्राउंड लेवल पुलिसिंग की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पुलिसिंग में स्मार्ट और एडवांस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की जरूरत पर बल दिया। डीजीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आज मैंने जमीनी स्तर पर पुलिसिंग की समीक्षा करने और स्मार्ट, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणालियों पर अपने फोकस को मजबूत करने के लिए लुधियाना का दौरा किया। मैंने फील्ड अधिकारियों के साथ एक व्यापक बैठक की, जिसमें जनता की शिकायतों के त्वरित और नागरिक-केंद्रित समाधान पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) नागरिकों को समर्पित किया गया है, जो निवारक पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यातायात, पीसीआर, सुरक्षित शहर और वायरलेस प्रणालियों को एकीकृत करके, आईसीसीसी ने पुलिस कार्य में तालमेल और समन्वय को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है और पीसीआर प्रतिक्रिया समय को 15 मिनट से घटाकर मात्र 7/8 मिनट कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस उद्योग के प्रमुख अभियान 'युद्ध नशियां विरुद्ध' और 'गैंगस्टर ते वार' जमीनी स्तर पर लगातार प्रभावशाली परिणाम दे रहे हैं। आपसी सौहार्द और टीम भावना को और मजबूत करने के लिए, मैंने पुलिस लाइंस में आयोजित एक बड़े भोजन कार्यक्रम में अपने पुलिसकर्मियों के साथ भोजन किया, जहां 550 से अधिक पुलिसकर्मियों ने एक साथ भोजन किया। इस तरह की मुलाकातें सौहार्द, एकता और जनता की सेवा के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं।

इससे पहले डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आज पंजाब पुलिस ने एक गैंगस्टर-विरोधी हेल्पलाइन शुरू की है, जिसमें जनता से 93946-93946 पर सीधे सूचना साझा करने का अनुरोध किया गया है ताकि वांछित अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि सभी सूचनाओं को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा और सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। गैंगस्टरों की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने पर 10 लाख रुपए तक का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। गैंगस्टरों से संबंधित किसी भी अपराध की स्थिति में, जनता से आग्रह किया जाता है कि वे अपराधियों को पकड़ने में पुलिस की सहायता के लिए तुरंत सूचना साझा करें।

कोलाहल से शांति की ओर...

उठती-गिरती लहरों का भयाक्रांत कर देने वाला शोर समंदर को नहीं डराता। यह उसका गुण नहीं है। कई बहुमूल्य रत्नों को समेटे हुए समुद्र हर परिस्थिति में शांत और तटस्थ रहता है। हम भी बाहरी दुनिया के कोलाहल और शोर से न डरें। समंदर से सीखें। अपने मूलभूत गुणों को पहचानें और भीतर की गहराइयों में प्रवेश कर ढूंढ़ निकालें शांति का अनमोल रत्न...।



लय में बंधा जीवन

प्रकृति की ओर नजर डालिए। यहां हर चीज एक लय में चल रही है। अपनी सांस पर ध्यान दें। एक लयबद्ध तरीके से हमारी सांस-प्रक्रिया काम कर रही है। यह लय भंग हो जाए तो हम बीमार हो जाते हैं। जो कुछ हम बोल रहे हैं, जिस भाषा में बात कर रहे हैं, वहां भी एक लय है। वह जैसे ही भंग होती है, हमारी बोल में कटुता आ जाती है। वहां संवाद बिगड़ता है। हर स्पंदन निगेटिव हो जाता है। आपका प्रभामंडल (औरा) इससे प्रभावित होता है। नृत्य के दौरान तय नियमों से ज्यों ही इतर जाते हैं, दर्शक से तालमेल टूट जाता है। एक कलाकार के लिए यह सबसे पीड़ादायक पल होता है। इसी प्रकार, जीवन में लय को टूटने नहीं देंगे, यह प्रतिबद्धता पैदा करें। बाहर कितना भी शोर हो, वह प्रभावित नहीं कर पाएगा।

तपेंगे तो निखर जाएंगे

सुख की तलाश में भटक रहे हैं लोग। तमाम सुख-सुविधाओं के बीच रहकर भी छोटी-छोटी परेशानियों से डर जाना आम प्रवृत्ति बन चुकी है। हम संघर्ष से भागते हैं। उलझनों से बचना चाहते हैं। पलायन कर जाने की यह सोच आसान मार्ग की तरफ धकेलती है। पर यह न भूलें कि जो खरा सोना है, वह तपने से नहीं घबराता और जो कच्चा है, वह आग में डालने के बाद पिघल जाता है। सच्चा यानी खरा सोना बनें। तभी सच्चा सुख पाएंगे और निखर भी जाएंगे।

बचें बेचैनी से

सूचनाओं का आक्रमण हो रहा है। हर पल एक नई चौंकाने वाली खबर आ जाती है। साधनों की कोई कमी नहीं। इसके बावजूद जिसे देखो, वह बेचैन है। राह चलते नजरें टिकी हैं मोबाइल पर। होश नहीं कि जिस राह पर चल रहे हैं, वह कहां ले जाएगी। वह पथरीली है। गिर सकते हैं, लेकिन सब अंधाधुंध भाग रहे हैं। गुस्सा है, जल्दबाजी है, पहले पहुंचने-पाने की अजीब-सी होड़ है। बेचैनी है। इससे कैसे बचें? इसका बहुत आसान उपाय है। अपनी जरूरतों को समझें और उसके मुताबिक जीना सीख जाएं। साधन से परहेज करने की जरूरत नहीं, लेकिन इससे पहले अपनी जरूरत की सीमा-रेखा का आभास होना चाहिए।

न भूलें भक्ति को

बाहरी वातावरण हावी होगा तो खुद से रिश्ता कमजोर होता जाएगा। यही वजह है कि अब बोलचाल की भाषा बड़ी निष्क्रिय-सी है। इंसान-इंसान में स्वाभाविक जुड़ाव जल्दी नहीं बन पाता। बात तो कर रहे हैं पर शब्द की समझ गुम है। शब्द जैसे अपना अर्थ खो रहे हैं। ऐसा ही एक शब्द है भक्ति। भक्ति का सीधा-सा अर्थ है - आपका अपने काम से जुड़ाव। उसमें आपकी आस्था। भक्ति वह चीज है, जो आपको जिंदगी में कुछ अच्छा करने को उकसाती है। यह एक उदात्त चीज है, जो निर्माण की तरफ अग्रसर करती है। इसे अपनी जिंदगी में शामिल करें तो आपको कर्म की ओर ले जाएगी। भक्ति मौजूद है तो आप कभी खालीपन का अनुभव नहीं करेंगे।

समाधान कला में

ऐसा नहीं है कि अतीत में समस्याएं नहीं थीं। कोलाहल पहले भी था। यही तो जीवन है। यहां शोर भी है, भटकाव भी है और निर्माण भी साथ-साथ चलता रहता है। बाहर के शोर से भयाक्रांत मन को उबारने में कला बहुत मदद कर सकती है। ऐसे वातावरण में जब कुछ न सूझे, वहां कला और कलाकार की अहमियत उभर कर सामने आती है। हमें खुश होना चाहिए कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा के रूप में कला रूपी समाधान पहले से मौजूद है। कीचड़ में कमल खिलाने जैसी शक्ति होती है कला के अंदर।

हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा

लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है, क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। सभी इंसान जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये मानव के अस्तित्व का अभिन्न अंग है और इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर, अस्थिर बनना चाहेंगे? अगर हम अपने आपको, जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हमें लगेगा कि जैसे हम हर समय एकत्व की सवारी कर रहे हैं। हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे और फिर अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है, क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। क्योंकि जीवन के उतार-चढ़ावों पर हमारा कोई खास नियंत्रण नहीं होता है तो हम शांति और तनावरहित जीवन कैसे जीएं? एक कहानी हमें कुछ इशारा देती है एक राजा ने अपने सभी चतुर मंत्रियों और सलाहकारों को एक साथ बुलाया और उनके सामने एक प्रश्न रखा, दोस्तों! मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर रहूं। मैं देखता हूं कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव हर समय मेरा संतुलन बिगाड़ते रहते हैं। क्या तुम कोई ऐसी चीज बता सकते हो जिससे, जब मैं दुःख की अवस्था से गुजर रहा हूं तो खुशी पा सकूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं तो वह चीज मुझे दुःखों की याद दिलाती रहे? ऐसी चीज खोजों, जो मैं अपने पास रख सकूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत, स्थिर रह सकूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने राजा की प्रार्थना पर लंबे समय तक विचार-विमर्श किया। अंत में उन्हें एक उपाय सूझा। वे वापस राजा के पास गए। राजा ने देखा कि वे एक छोटा-सा बक्सा लेकर उसकी तरफ आ रहे हैं। सलाहकारों ने कहा, महाराज! हमने आपके लिए एक हल ढूंढ़ लिया है। कृपया आप इस बक्से को खोलें। जब राजा ने उसे खोला, तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा कि इस पर जो लिखा हुआ है,

श्री कृष्ण ने महज 64 दिनों में ही ज्ञान अर्जित कर लिया



मथुरा में जब श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर दिया तब कंस के भाई ने कृष्ण और बलराम पर आक्रमण कर दिया। लेकिन बलराम ने उसे मार दिया। इसके बाद कृष्ण ने अपने माता-पित यानी देवकी और वासुदेव को कंस के कारागार से छुड़ाया। इस घटना के कुछ समय बाद श्रीकृष्ण और बलराम उज्जैन सांदीपनी आश्रम में विद्याअध्ययन करने के लिए आ गए। यहां उन्होंने महज 64 दिनों में ही ज्ञान अर्जित कर लिया। विद्याअध्ययन करने के बाद जब गुरु को गुरु दक्षिणा देने का समय था। तब उनके गुरु ने अपने मरे पुत्र को जीवित लाने का वर मांगा। कृष्ण जब गुरु पुत्र को खोजने निकले तो पता चला की गुरु के पुत्र को पंचजन्य नाम के दैत्य ने अपहरण करके रख लिया है। वह समुद्र के भीतर रहता था। श्रीकृष्ण और बलराम समुद्र के भीतर पहुंचे। वहां उन्होंने पंचजन्य दैत्य से युद्ध किया। उसे मारकर उसकी अस्थियों से बने शंख को बजाते हुए जब वह दोनों यमपुरी पहुंचे तो वहां गुरु सांदीपनी का पुत्र मौजूद था। उन्होंने वहां से उसे मुक्त करवाया और उसे लेकर उज्जैन पहुंचे। गुरु ने जब यह दृश्य देखा तो वह बहुत प्रसन्न हुए। और उन्होंने उन्हें आशीष दिया। इस पूरी कथा का विस्तार से उल्लेख विष्णु पुराण और श्रीमद् भागवद में मिलता है।

महाभारत का युद्ध संसार का सबसे बड़ा युद्ध माना जाता



महाभारत में चक्रव्यूह का जिक्र है। दरअसल चक्रव्यूह बहु स्तरीय रक्षात्मक सैन्य संचालन विधि है। जिसका उपयोग अमूमन प्राचीन काल में युद्ध के दौरान होता था। आज भी हम कई हॉलीवुड और बॉलीवुड, टॉलीवुड की प्रसिद्ध फिल्म बाहुबली में देख सकते हैं। महाभारत का युद्ध उस काल में संसार का सबसे बड़ा युद्ध माना जाता था। इस युद्ध में तरह-तरह के चक्रव्यूह बनाकर युद्ध किया गया। चक्रव्यूह एक तरह से सैनिकों के लिए रक्षाकवच की तरह कार्य करते थे। जिनकी योजना राजा, सेनापति और मंत्री तय करते थे। और सैनिक इसे साक्षात् रूप में बनाते थे। ये चक्रव्यूह ऊंचाई से देखने पर चक्र या पद्म की भांति होते थे। पौराणिक अभिलेखों में इन चक्रव्यूह का चित्रण किया गया है। महाभारत में अभिमन्यू द्वारा बनाया गया चक्रव्यूह काफी मजबूत था, लेकिन अभिमन्यु को चक्रव्यूह में जाने की कला आती थी लेकिन वह उससे बाहर नहीं निकल सकता था। उसे चक्रव्यूह का अधूरा ज्ञान था। यदि वह चक्रव्यूह का विस्तारित ज्ञान जानता तो महाभारत युद्ध का इतिहास थोड़ा अलग होता। अभिमन्यु ने जिस चक्रव्यूह का उपयोग महाभारत युद्ध में किया था, उसका ज्ञान कृष्ण, अर्जुन, प्रद्युम्न व अभिमन्यु को ही था। महाभारत एक धर्मयुद्ध था, जिसमें युद्ध के लिए नियम तय थे। जब अभिमन्यु ने चक्रव्यूह के युद्ध करते 6 द्वार तोड़ दिए और 7वें द्वार पर पहुंचे तो कौरवों के महारथियों ने नियमों को ताक पर रखते हुए। अभिमन्यु का वध कर दिया।

जीवन इच्छाओं से कहीं ज्यादा है और श्रद्धा जीवन से भी बढ़ कर है

श्रद्धा भी एक उपहार है। आप अपने दिल और दिमाग में श्रद्धा थोपने का प्रयास नहीं कर सकते। कभी-कभी, जब आपका दिमाग अपनी बक-बक और नकारात्मकता से श्रद्धा को नकार भी देता है, तब भी आपके अंदर कुछ होता है, जो आपको उस दिशा में धकेलता है।



यदि आप विश्वास को लाने का प्रयास कर रहे हैं, तो कुछ नहीं होगा। अगर आप कहना चाहते हैं कि मैं अपनी श्रद्धा बनाए रखना चाहता हूं। कौन सी श्रद्धा आप बनाए रखना चाहते हैं? फेंक दीजिए श्रद्धा को! आप अपनी श्रद्धा को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। ये कितना बड़ा बोझ है! उल्टा कहिए, मुझे कोई परवाह नहीं है! यदि श्रद्धा है, तो है। यदि श्रद्धा नहीं है, तो नहीं है, आप कर भी क्या सकते हैं? यह सीधी-सी बात है। श्रद्धा भी एक उपहार है। आप अपने दिल और दिमाग में श्रद्धा थोपने का प्रयास नहीं कर सकते। कभी-कभी, जब आपका दिमाग अपनी बक-बक और नकारात्मकता से श्रद्धा को नकार भी देता है, तब भी आपके अंदर कुछ होता है, जो आपको उस दिशा में धकेलता है। जब ऐसा होता है, तो उसे पहचानिए। और यकीन मानिए ऐसा होता है। आपको उस क्षण में अपनी श्रद्धा के होने का अहसास होता है। आप यह जान पाते हैं कि किसी के प्रति आपके मन में आदर और सम्मान का भाव है। लेकिन अगर कोई कहता है, मैं किसी में विश्वास नहीं करता÷, लेकिन फिर भी वह बैठकर ध्यान करता है और यदि आप उससे पूछेंगे, कि आप ध्यान क्यों कर रहे हैं?, तो वह कहेंगे, मेरे अंदर कुछ है, जो मुझे ध्यान करने के लिए कहता है।÷ एक व्यक्ति कहता है, मैं गुरु में विश्वास नहीं रखता!, लेकिन फिर भी जब गुरुदेव आते हैं, वह कहता है, क्योंकि अब मेरे पास कुछ और करने के लिए नहीं है, तो चलो मैं वहीं चलता हूं!, और वह वहां पहुंच जाता है। कुछ है, जो उस व्यक्ति को उस ओर खींचता है, उसे गुरु की तरफ ले जाता है, या सत्संग में आने पर विवश कर देता है। वह क्या है? आपने यह निर्णय ले लिया, कि आपको श्रद्धा नहीं है, और आपने अपनी श्रद्धा को मिटाने के लिए बहुत जतन कर लिए, या मना करते गए कि आपमें कोई श्रद्धा है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसा हुआ, जिसने आपको बांधे रखा। वहीं, आपको सजग हो जाना चाहिए। कि हां, श्रद्धा तो है! इसलिए, श्रद्धा थोपी नहीं जा सकती, वह तो है ही। एक बार जब वह आ जाती है, तो हमेशा रहती है। अगर वह चली जाती है, तो वह आपको दुखी कर देती है। जब आप दुखी हों, तो इतना याद रखिए, श्रद्धा चली गई है, इसीलिए मैं दुःख में हूं और आप दुखी नहीं रहना चाहते। तो इसीलिए, जिस क्षण आप यह ठान लेते हैं, कि मुझे दुखी नहीं रहना÷, तब श्रद्धा वापस आ जाती है। श्रद्धा तो हमेशा से ही थी, बस वह दोबारा प्रकट हो जाती है। यदि आप श्रद्धा को रखने का भरपूर प्रयास करते हैं, तब वह एक बहुत ही मुश्किल काम है। कभी-कभी लोगों को ऐसा लगता है कि वे सिर्फ गुरु या भगवान की वजह से अपनी श्रद्धा बरकरार रखे हुए हैं। भगवान के लिए, इतना याद रखिए, कि वह आप÷ हैं, जो श्रद्धा रखते हैं। याद रखिए, कि यदि आप श्रद्धा नहीं रखते, तो उससे भगवान को कोई फर्क नहीं पड़ता। वह कहता है, ठीक है, विश्वास मत रखो, तो क्या हुआ? मैं तो यहीं हूं! अगर तुम्हें लगता है कि मैं यहां नहीं हूं, तो ठीक है, तुम्हें कुछ भी सोचने की आजादी है।

बहुत से लोग कहते हैं, ओह! मैं भगवान में इतना विश्वास करता हूं। तो क्या हो गया यदि आप इतना विश्वास करते हैं? जो होना है, वो तो होगा ही। हमारी श्रद्धा इतनी खोखली होती है। हमारी श्रद्धा केवल हमारी सुविधा के हिसाब से है, जिससे छोटी-छोटी चीजें हो जाएं। हमारी श्रद्धा, खास तौर से हमारी खुद की इछाएं पूरी करने के लिए होती हैं। यदि हमारी इछाएं पूरी हो जाती हैं, तब हम कहते हैं, ओह, मुझे श्रद्धा है। यदि वे पूरी नहीं होती, तब हम कहते हैं, मेरी श्रद्धा हिल गई है, मुझे श्रद्धा नहीं है। मैं आपसे कहता हूं, जीवन इछाओं से कहीं यादा है और श्रद्धा जीवन से भी बढ़ कर है। श्रद्धा रहती है, और वह तब प्रकट होती है जब आपके अंदर सत्व और सामंजस्य बना होता है। आप सिर्फ इतना कर सकते हैं कि सामंजस्य बनाए रखें, और उचित व्यायाम से, भोजन और ज्ञान से अपने मन को स्वछ रखें। ये सब उस दिशा में बढ़ने के लिए आपकी सहायता करेंगे।

परमात्मा भीतर निहित है और हम उसे बाहर खोजते हैं

**मनीषियों और संतों ने प्रभु के सुमिरन पर विशेष बल दिया है। इसका अर्थ प्रायः हम परमात्मा के नाम को बार-बार दोहराने से लगाते हैं। परिणामस्वरूप कोई राम-राम दोहराता है, कोई कुछ और। आशय यह कि हम इस पुनरुक्ति को कंठ तक सीमित करके सोचते हैं कि हमें परमात्मा की प्राप्ति हो जाएगी। ऐसी सोच भ्रम के सिवा कुछ भी साबित नहीं होगी। कारण ये कि तब हममें और तोते में कोई फर्क नहीं रह जाएगा। इस संदर्भ में प्रश्न उठता है कि कबीर और नानक जैसे मनीषी भी सुमिरन पर विशेष बल क्यों देते हैं? दरअसल सुमिरन शब्द की उत्पत्ति स्मरण शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है - याद करना। आशय यह है कि जो हमारे पास है ही, किंतु परिस्थितिवश हमें उसकी स्मृति नहीं रही, उसके प्रति हमें बोध हो जाए, उसकी याद आ जाए, तो समझो स्मरण पूरा हुआ। किसकी याद हमें आ जाए? किसको हम भूले हुए हैं? सीधी बात है कि परमात्मा को, स्वयं को ही हम भूले हुए हैं। परमात्मा भीतर निहित है और हम उसे बाहर खोजते हैं, जबकि बाहरी दुनिया में उसकी अनुभूति हो ही नहीं सकती। सच यह है कि परमात्मा की अनुभूति ध्यान के जरिए हो सकती है। उस परमशक्ति को अंतर्मन में तलाशें। परमात्मा को पाना कदाचित इसीलिए कठिन है कि उसे हमने खोया ही नहीं। खोया होता तो पा भी लेते। जो चीज जितने अधिक समय से हमें मिली हुई होती है, उसके प्रति हम उतने ही ज्यादा विस्मरण से भर जाते हैं। हमारी दृष्टि उसी पर अटकी हुई होती है जो हमें नहीं मिली होती। यही कारण है कि सदा-सदा से प्राप्त परमात्मा की ओर हम ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। राम-राम की रट यूं भीतर उतर जाए कि हमें परमात्मा का स्मरण आ जाए। यानी हम स्वयं की स्वयं से पहचान कराने में सफल हो जाएं तो समझें कि सुमिरन पूरा हुआ। इसके सिवा सुमिरन का कोई अर्थ नहीं। सुमिरन पर बल देने का यही अर्थ स्वाभाविक व सार्थक भी है। सभी नाम परमात्मा के ही हैं। किसी एक का नाम रहते, स्मरण करते हुए स्मरण रूपी लौ अंतर्मन में उतर जाए तो हमें परमात्मा की प्राप्ति यानी अमृत उपलब्ध हो जाए। इसी बोध को जगाने में जो हमारी मदद करे, वही सच्चा गुरु या सद्गुरु है।



'ग्लोरी' के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

वेब सीरीज 'ग्लोरी', भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक ड्रामा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, जन्नत जुबैर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुप्ता, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।



प्रेग्नेंसी के बावजूद 'राका' की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

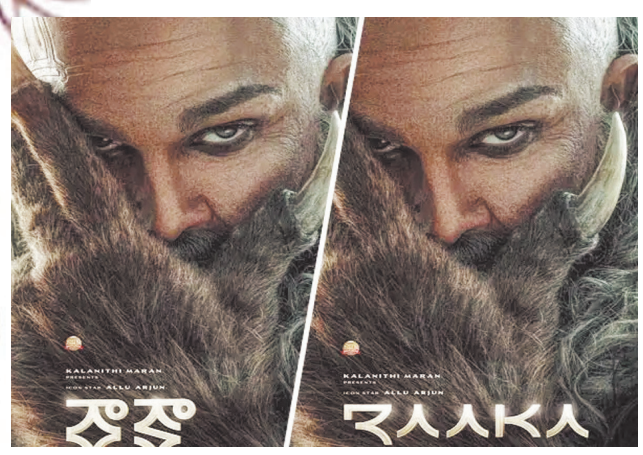
एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'राका' को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल ट्रैक भी वैसा ही रखा गया है।

रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके सीन में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, 'दीपिका की फिल्म में शानदार एंट्री है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसे ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।' पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटेंस एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।





ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'



अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।



स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है



बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।



जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजलवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा ऋणाल पंड्या ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।



अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, ऋणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका



नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिक के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल सनराइजर्स हैदाबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार

कोनोली की मेहनत पर फिरा पानी; तालिका में बड़ा बदलाव

हैदराबाद। पंजाब किंग्स के खिलाफ राजीव गांधी स्टेडियम में लगातार नौवीं जीत के साथ सनराइजर्स हैदराबाद ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बुधवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 235 रन बनाए। जवाब में पंजाब की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 202 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। कूपर कोनोली ने इस मुकाबले में शानदार शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। हैदराबाद की इस जीत से अंक तालिका में बड़ा बदलाव हुआ है। 11 में सात मुकाबले जीतकर टीम 14 अंक और +0.737 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, पंजाब किंग्स दूसरे पायदान पर है। तीसरे स्थान पर आरसीबी है और चौथे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स मौजूद है। एक स्थान पर किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा मुकाबले जीतने वाली हैदराबाद दूसरी टीम बन गई। उप्पल में टीम में 11 में से 10 मैच जीते हैं, जिनमें नौ बार हैदराबाद ने लगातार जीत दर्ज की। 236 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज चार के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे। इसके बाद कूपर कोनोली ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर (5) के साथ तीसरे विकेट के लिए 19 रन जोड़े, जबकि मार्कस स्टोइनिस (28) के साथ 20 गेंदों में 40 रन की साझेदारी की। इस टीम को 63 के स्कोर पर चौथा झटका लगा, जिसके बाद कॉनली ने सूर्यांश शेडगे के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन जोड़कर टीम को परेशानी से निकालने की कोशिश की। सूर्यांश ने 17 गेंदों में 25 रन की पारी खेली। कूपर कोनोली ने 19.4 ओवर में अपना पहला आईपीएल शतक पूरा किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। कॉनली 59 गेंदों में आठ छक्कों और सात चौकों के साथ 107 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से शिवांग कुमार और पैट कमिंस ने दो-दो विकेट अपने नाम किए

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली। भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर। यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा।

पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का निधन, पंजाब किंग्स और पीसीए ने जताया शोक

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स और पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) ने पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अमनप्रीत का बुधवार की सुबह निधन हो गया। पंजाब किंग्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अमनप्रीत को श्रद्धांजलि दी। वह आईपीएल के शुरुआती दिनों में टीम का हिस्सा रहे थे। पीसीए ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर दुख व्यक्त किया। पीसीए ने लिखा कि अमनप्रीत सिंह गिल ने पंजाब क्रिकेट की सेवा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ की। उन्होंने भारतीय अंडर-19 टीम, पंजाब टीम और पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व किया। पीसीए ने अपने संदेश में कहा, %हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की कामना करते हैं।% उनका अंतिम संस्कार आज शाम चार बजे मनीमाजरा श्मशान घाट, चंडीगढ़ में किया जाएगा। अमनप्रीत सिंह गिल एक राइट-आर्म मीडियम-फास्ट गेंदबाज थे। उनका जन्म 16 सितंबर 1989 को हुआ था। उन्होंने पंजाब के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला और भारत अंडर-19 टीम का भी हिस्सा रहे। इसके अलावा, वे पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सिलेक्शन कमेटी के सदस्य भी रह चुके थे। उन्होंने 2019-20, 2020-21, 2022-23 और 2024-25 सीजन में इस भूमिका को निभाया।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA जनसंख्या से जन कल्याण

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना, हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)

भारत सरकार द्वारा आपके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना आरंभ होने जा रही है
इससे पहले 15 दिनों की विशेष सुविधा दी जा रही है, जिसमें आप स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं

मैं हूँ प्रगति



मैं हूँ विकास



स्व-गणना (Self-Enumeration)

सरल और सुरक्षित डिजिटल सुविधा

कैसे करें स्व-गणना ?

1. आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर जाएँ
2. अपने मोबाइल नंबर से OTP द्वारा लॉगिन करें
3. अपना राज्य, जिला और स्थानीय विवरण चुनें
4. डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें
5. मकान एवं परिवार से संबंधित जानकारी भरें
6. सबमिशन के बाद SE ID मिलेगी
7. SE ID सुरक्षित रखें
8. प्रगणक (Enumerator) आने पर SE ID दें
9. प्रगणक जानकारी की पुष्टि करेंगे

इसके लाभ

- समय की बचत
- सटीक जानकारी
- तेज़ डेटा प्रोसेसिंग

याद रखें स्व-गणना एक विशेष सुविधा है

यदि आप स्व-गणना नहीं कर पाते हैं, तो चिंता न करें, निर्धारित अवधि में प्रगणक आपके घर आकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे

आपकी सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी

उत्तर प्रदेश

स्व-गणना
7 से 21 मई

मकानसूचीकरण
22 मई से 20 जून

CBC 19108/13/0081/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

टोल फ्री - 1855

CensusIndia2027